खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 05 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-214

पगड़ी

स्व. श्री सुरेश कुमार अग्रवाल

सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी अग्रवाल

स्वर्गवास : शनिवार 25 जुलाई, 2026

पगड़ी की रस्म आज बुधवार, दि. 05 अगस्त 2026 को सायं 5.00 बजे से हमारे निवास स्थान तिरुमलगिरी पर होगी ।

शोकाकुल : रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज), अनूप (पुत्र), नरेश, बजरंग, दिलीप, अनिल, मयूर, पियूष, मृदुल, मोहित, लोकेश, प्रतियोध, प्रियांक (भतीजे), कमल, अंकित, नयन, रचित, आरुष, विहान, निश्चय, हृदय, पनव (पौत्र) एवं समस्त प्राणसुख परिवार

नथमल सुरेश कुमार (बसईवाले)

फ़र्म : श्री इंडो स्टील इंटरप्राईजेस, चॉइस डिकोर्स, बसई स्टील्स, मेगासिटी मोल्डिंग

फ़ोन नं. +91 9849030471, +91 9000000757

निवास : 333 लिफ्ट नंबर.12 मानसरोवर हाइटस फ़ेज-1

तिरुमलगिरी, हैदराबाद-500011

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

महबूबनगर में होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों पर मंथन, संगठन विस्तार पर दिया गया जोर

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक मंगलवार को नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में राज्य अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महबूबनगर में आयोजित होने वाले आगामी राज्यस्तरीय संगठनात्मक कार्यक्रम की तैयारियों सहित संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर व्यापक चर्चा की गई।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में महबूबनगर में आयोजित होने वाले आगामी संगठनात्मक कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के सभी जिला अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं की भागीदारी रहेगी।

बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी बनाने, पार्टी की पहुंच जन-जन तक बढ़ाने तथा सभी जिलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर राज्य अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनता की प्रभावी सेवा के लिए संगठन में एकता, अनुशासन और समर्पित टीमवर्क अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर भाजपा की विचारधारा को प्रत्येक बूथ और प्रत्येक घर तक पहुंचाने का संकल्प लें।

उन्होंने बताया कि महबूबनगर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तिथि, समय एवं अन्य विस्तृत जानकारी शीघ्र ही घोषित की जाएगी।

बैठक के अंत में अल्पसंख्यक मोर्चा के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से महबूबनगर में आयोजित होने वाली बैठक एवं संगठनात्मक कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर उसे सफल बनाने का आग्रह किया गया। बैठक में राज्य अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महासचिव हरप्रीत सिंह गुलाटी, शाहजहां, समी खान, जसपाल सिंह, बलबीर सिंह, मोहम्मद गजनी, मोहिंदरपाल सिंह, सतीश हुंडिया, मुकेश जैन चौहान, गुरचरण सिंह, रिड़ा कुड़ोस, साईदुलु, महबूब अली, सविता सोनी, गुरदीप सिंह, मनदीप सिंह, जुल्ली बेन्नाला, रंजीत सिंह, इरफान, सुमित सिंह, साहिब सिंह, नज़ीर, चाउस खान सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

60वां श्री गोपाल काला महोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भावसार क्षत्रिय चैरिटेबल ट्रस्ट जियागुड़ा के तत्वावधान में विठ्ठल रुकमाई देवालय प्रांगण में 60वां श्री गोपाल काला महोत्सव का आयोजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें प्रातः 8.00 बजे हवन, पूजा, अलंकार।

प्रातः 10.30 बजे शोभा यात्रा, 11.30 बजे दही हांडी और दोपहर 12.30 बजे से फूल-पाटी, भजन कीर्तन तथा 1.00 से मध्याह्न 4.00 बजे तक महाप्रसादी एवं सायं 5.00 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। एक दही हांडी मंदिर की ओर से केशव स्वामी के मठ तक लेकर जाया गया तथा उसे फोडकर सभी में प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात केशव स्वामी से मंदिर आकर श्री विठ्ठल रुकमाई जी की आरती सायं 5.00 बजे की गई। इस वर्ष का आकर्षण फूल पाटी, भजन, कीर्तन एवं महाप्रसादी का रहा। कार्यक्रम में अध्यक्ष : प्रशांत नीमकर उपाध्यक्ष : जयहिंद राव बासुत्कर, मुख्य सचिव : वसंत बासुत्कर, कोषाध्यक्ष अनील नीमकर, संयुक्त सचिव मनोहर चोलकर के अलावा सदस्यगणः श्याम सुन्दर भांडेकर, राजेन्द्र कुमार नीमकर, सुभाष नीमकर, बाबू राव तापसे, रमेश जैतने, संजय भोपे, श्याम कुमार नीमकर,

फकिरचंद रावुत्कर, संजय कटारे, संतोष महेंदरकर, विजय बगाडे, आनंद सुत्रावे, आनंद कुमार भोपे के अलावा शीतल नीमकर, वंदना आसुतकर, कविता बासुतकर एवं सपना धनाते, संगीता पटाले, विजयलक्ष्मी सुतरारे एवं भावसार सदस्यों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

फार्मा नेता चक्रवर्ती एवीपीएस को एशिया बिजनेस लीडर अवॉर्ड

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित फार्मास्युटिकल उद्योग के प्रमुख श्री चक्रवर्ती एवीपीएस, इकोब्लिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, को एशिया प्रशांत क्षेत्र में उद्योग में उल्लेखनीय योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है।

उन्हें मंगलवार शाम सिंगापुर के पैन पैसिफिक में आयोजित समारोह में सीएमओ एशिया बिजनेस लीडरशिप एंड एक्सीलेंस अवॉर्ड के तहत 'एशिया बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर – इंडियन फार्मा' श्रेणी में सम्मानित किया गया।

यह सम्मान भारतीय फार्मास्युटिकल क्षमताओं को वैश्विक मंच पर बढ़ावा देने, रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य समाधानों को प्रोत्साहित करने, जिम्मेदार पैकेजिंग को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के उनके नेतृत्व के लिए दिया गया।

तीन दशकों से अधिक समय से चक्रवर्ती ने अंतरराष्ट्रीय फोरमों पर भारत की सस्ती दवाओं, नवाचार और गुणवत्ता की वकालत की है। उनके नेतृत्व में इकोब्लिस इंडिया रोगी-केंद्रित फार्मास्युटिकल पैकेजिंग और दवा अनुपालन समाधानों में अग्रणी बना है।

सम्मान स्वीकार करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि यह सम्मान पूरे भारतीय फार्मास्युटिकल पारिस्थितिकी तंत्र का है। उन्होंने कहा कि भारत आज सिर्फ 'दुनिया की फार्मेसी' ही नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय स्वास्थ्य साझेदार के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने रोगी-केंद्रित नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य सहयोग का है, जिससे नवाचार तेज होता है और मरीजों को लाभ मिलता है।

यह सम्मान उस समय आया है जब भारतीय फार्मा उद्योग अपनी वैश्विक उपस्थिति मजबूत कर रहा है।

राधे-राधे ग्रुप सेवा का आदर्श : उमाकांत गुप्ता

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जरूरतमंद, असहाय एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण और सेवा भाव के साथ सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उमाकांत गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा, समर्पण और परमार्थ का जीवंत उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है। जब हम बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद लोगों की सहायता करते हैं, तब समाज में प्रेम, करुणा और मानवीय मूल्यों का विस्तार होता है।

उन्होंने सभी लोगों से अपने जीवन का कुछ समय समाज सेवा के लिए समर्पित करने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा के छोटे-छोटे प्रयास भी किसी जरूरतमंद के जीवन में बड़ी खुशियाँ ला सकते हैं।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से चलाया जा रहा अन्नदान अभियान केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त संदेश है। ग्रुप की निरंतर सेवा गतिविधियाँ समाज के प्रत्येक वर्ग को परमार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही हैं।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावरलाल गुप्ता, उमाकांत गुप्ता, संजय गुप्ता, उमा डालमिया, कमल मुंडाडा, प्रमोद गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभी सदस्यों ने भविष्य में भी सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक रूप से जारी रखने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँचाने का संकल्प लिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 अगस्त 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 08:44 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 09:18 तक
योग : शूल सायं 05:28 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:28 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 ,सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी , गण्डमूल रात्रि 09:18 तक , भद्रा प्रातः 09:28 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दोस्तों ने दिवंगत साथी के परिवार को दी 63 हजार रुपये की मदद

बांसवाड़ा, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 1989-90 की दसवीं कक्षा के बैच के दोस्तों ने हाल ही में बीमारी से दिवंगत हुए अपने साथी अब्दुल कदीर के परिवार को 63 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। सभी मित्रों ने स्वेच्छा से चंदा एकत्र कर यह राशि अब्दुल कदीर की पत्नी और बेटों को सौंपी। इस अवसर पर मित्रों ने परिवार को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी किसी भी आवश्यकता पर वे मदद के लिए तैयार रहेंगे। कार्यक्रम में जानकीराम, साईं बाबा, संगमेश्वर, गंगाधर सहित कई अन्य मित्र उपस्थित रहे।

कृषि बाजार समिति ने व्यावसायिक दुकानों के आवंटन की समय सीमा बढ़ाई

पेद्दापल्ली, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कृषि बाजार समिति ने पेद्दापल्ली यार्ड में निर्मित 13 व्यावसायिक दुकानों के आरक्षण के आधार पर आवंटन की समय सीमा बढ़ा दी है। ये दुकानें खुली नीलामी के माध्यम से अनुसूचित जाति (3), अनुसूचित जाति (2), अनुसूचित जनजाति (1) और अन्य (7) वर्गों को आवंटित की जाएंगी। प्रत्येक दुकान का मासिक किराया 15,462 रुपये निर्धारित है।

आवेदन पत्र बिक्री: 25 जुलाई से 13 अगस्त 2026 दोपहर 2 बजे तक। आवेदन प्राप्ति: 26 जुलाई से 13 अगस्त दोपहर 3 बजे तक। आवेदन शुल्क 3,000 रुपये है। इच्छुक व्यक्ति खुली नीलामी में भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल 7330733468 या 7330733318 पर संपर्क करें।

शी टीम ने महिलाओं के लिए जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया

पेद्दापल्ली, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम सी.पी. के निर्देशों पर पेद्दापल्ली शी टीम ने वी हब प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं के लिए जागरूकता सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार में एसआई लावण्या ने महिलाओं के व्यक्तित्व विकास, पॉक्सो अधिनियम, सोशल मीडिया के प्रभाव, सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी और नशा-विरोधी उपायों पर जानकारी दी।

शी टीम अब प्रतिदिन बस स्टैंड, मुख्य चौक, सार्वजनिक स्थलों और कॉलेजों में तैनात रहेगी। परेशानी होने पर छात्राएं 6303923700 पर कॉल कर सकती हैं। जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। आपात स्थिति में 100/112 तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी पर 1930 डायल करें। यात्रा के दौरान टी-सेफ ऐप का उपयोग करें। कार्यक्रम में सुरेश, मौनिका और स्नेहलथा उपस्थित रहे।

कार्यवाहक कोषागार अधिकारी ने जिला कलेक्टर से की शिष्टाचार भेंट

पेद्दापल्ली, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला कोषागार कार्यालय में सहायक कोषागार अधिकारी के. रमेश ने मंगलवार को जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष से शिष्टाचार भेंट की। उन्हें जिला कोषागार अधिकारी (डीटीओ) के रूप में पूर्ण अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।इस अवसर पर के. रमेश ने कलेक्टर को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और जिला कोषागार कार्यालय के प्रबंधन, सरकारी वित्तीय लेनदेन तथा जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

वमसी कृष्णा ने की एनटीपीसी अध्यक्ष से मुलाकात श्रमिकों व स्थानीय युवाओं के हित में याचिका सौंपी

पेद्दापल्ली, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली सांसद गद्दम वमसी कृष्णा ने रामागुंडम क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समाधान और स्थानीय युवाओं के रोजगार के लिए एनटीपीसी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह से मुलाकात कर याचिका सौंपी। उन्होंने रामागुंडम नगर निगम अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों को ग्रेड-बी रेटिंग, उचित वेतन एवं कल्याणकारी लाभ देने का अनुरोध किया। संविदा श्रमिकों के चिकित्सा फिटनेस प्रमाण पत्र को ईएसआई अस्पताल से वर्ष में केवल एक बार जारी करने तथा निजी अस्पतालों से अतिरिक्त प्रमाण पत्र की बाध्यता हटाने की अपील की। साथ ही, एनटीपीसी की निर्माणाधीन सुपर थर्मल विस्तार परियोजना में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग की।

बाढ़ से क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइन की मरम्मत का निरीक्षण, शीघ्र बहाली का आश्वासन

मंचेरियाल, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाल की भारी बारिश और बाढ़ से मंचेरियाल नगर निगम की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। बाढ़ का स्तर घटने के बाद विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव के निर्देश पर मेयर दरनी मधुकर ने मरम्मत स्थल का निरीक्षण किया।सोमवार रात फिर बारिश से पानी बढ़ने के बावजूद आधुनिक चेन जेसीबी मशीनों से पानी का प्रवाह मोड़कर मरम्मत कार्य जारी रखा गया। मेयर ने अधिकारियों को समन्वय के साथ गुणवत्ता बनाए रखते हुए कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि शहरवासियों को जल्द पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बहाल कर दी जाएगी। मौके पर पार्षद काकुला वरलक्ष्मी युवराज, पूर्व उपाध्यक्ष सल्ला महेश सहित अधिकारी व स्थानीय नेता उपस्थित रहे।

महादेव स्वामीजी ने धर्म जागृति महासभा के पर्चे जारी किए

बांसवाड़ा, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को पुराने बांसवाड़ा हनुमान मंदिर में सद्गुरु महादेव स्वामीजी की अध्यक्षता में सनातन हिंदू धर्म जागृति महासभा के पर्चे जारी किए गए। इससे पहले तैयारी समिति की बैठक भी हुई। स्वामीजी ने बताया कि इस माह की 9 तारीख (रविवार) को दोपहर 2 बजे धर्म जागृति महासभा का आयोजन होगा। उन्होंने सभी सनातनियों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की और कहा कि सनातन धर्म को जागृत करने के लिए यह महासभा आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर विभिन्न दलों, संघों के नेता तथा हिंदू श्रद्धालु उपस्थित रहे।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 05 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-214

तृषा पर द्विअर्थी टिप्पणी

वल्गरनिधी स्टालिन अरेस्ट

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ी हस्तियों की गिरफ्तारी कोई नई बात नहीं है। सन 1996 में जयललिता को रंगीन टेलीविज़न घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। सन 2001 में जयललिता सरकार ने करुणानिधि को आधी रात को फ्लाईओवर घोटाले के आरोप में उनके घर से उठा लिया था। अब सन 2026 में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को कावेरी रैली के दौरान अभिनेत्री तृषा पर कथित दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, जब तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की सरकार थी, तब उदयनिधि स्टालिन कुछ भी बोलकर निकल जाते थे। कभी सनातन धर्म को डेंगू-मलेरिया कहकर उसका उन्मूलन करने की बात की, तो कभी हिंदी भाषा को लेकर विवादित बयान दिया। अपनी सरकारी मशीनरी और कानूनी पेचीदगियों का इस्तेमाल कर वे हर बार बच निकलते थे। लेकिन इस बार मामला राज्य के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ निजी टिप्पणी का था।

विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की जुबान एक बार फिर फिसली और इस बार नतीजा पहले से कहीं अधिक कठोर निकला। चेन्नई स्थित उनके घर से पुलिस ने उन्हें उठा लिया। पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र उदयनिधि को पहली बार सवा शेर मिला। मुख्यमंत्री विजय ने इस पर तत्काल कार्रवाई की और 24 घंटे से कम समय में कार्रवाई की। उन्होंने साफ संदेश दे दिया कि बड़बोले बयानों का जवाब अब केवल शब्द नहीं, बल्कि पुलिस कार्रवाई भी हो सकती है।

वे शौचालय में हैं, कृपया प्रतीक्षा करें

जब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची, तो वे शौचालय में थे। उदयनिधि की पत्नी ने पुलिस से कहा, वे शौचालय में हैं, कृपया कुछ समय दीजिए। हालांकि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर ही लिया। उदयनिधि स्टालिन लंबे समय से विवादास्पद बयानों के लिए जाने जाते रहे हैं। सनातन धर्म को डेंगू-मलेरिया की तरह बताकर उन्मूलन की बात कहने वाले बयान से लेकर विधानसभा में व्यक्तिगत कटाक्ष तक, उनकी जुबान अक्सर विवादों का केंद्र बनी। लेकिन इस बार मामला निजी था।

कभी सनातन धर्म को डेंगू-मलेरिया कहकर उसका उन्मूलन करने की बात की, तो कभी हिंदी भाषा को लेकर विवादित बयान दिया। अपनी सरकारी मशीनरी और कानूनी पेचीदगियों का इस्तेमाल कर वे हर बार बच निकलते थे। लेकिन इस बार मामला राज्य के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ निजी टिप्पणी का था। आखिर शेर को सवा शेर मिलता ही है।

राष्ट्रीय महिला आयोग को दी गई शिकायत में तमिलगम वेतरी कड़गम ने कहा कि यह विवादित टिप्पणी सोमवार को तंजावुर में पनागल बिल्डिंग के पास उदयनिधि के नेतृत्व में हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के प्रदर्शन के दौरान की गई थी।

दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी से मचा हंगामा

शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि जब कावेरी मुद्दे पर उदयनिधि के भाषण के दौरान भीड़ तृषा, तृषा के नारे लगा रही थी, तो उन्होंने एक अश्लील और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी की। शिकायतकर्ता ने उन पर और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के सूचना प्रौद्योगिकी विंग के अधिकारियों पर जानबूझकर महिलाओं का अपमान करने, अभिनेत्री और आम तौर पर महिलाओं को मानसिक पीड़ा पहुंचाने और सार्वजनिक अशांति फैलाने के मकसद से सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस घटना का दो मिनट उनतालीस सेकंड का वीडियो जानबूझकर फैलाने का आरोप लगाया है।

तृषा मुख्यमंत्री विजय की पुरानी सह-कलाकार और सोशल मीडिया चर्चाओं में अक्सर उनके करीब बताई जाने वाली हस्ती हैं। इस टिप्पणी का वीडियो वायरल होते ही तमिलगम वेतरी कड़गम और भारतीय जनता पार्टी ने इसे घिनौनी हरकत करार दिया। शिकायतों के आधार पर तंजावुर पुलिस ने महिलाओं के उत्पीड़न और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। उसके बाद पुलिस दल चेन्नई के नीलांकरई स्थित उदयनिधि के आवास पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

हिरासत में लिए जाने के बाद उदयनिधि का पहला बयान भी चर्चा में रहा। उन्होंने सवाल किया, क्या मैंने कुछ गलत कहा? यानी उन्होंने अपने बयान को आपत्तिजनक मानने से इनकार किया। हालांकि इस बीच मामला मद्रास उच्च न्यायालय भी पहुंचा। यहां तमिलनाडु सरकार ने अदालत को बताया कि उदयनिधि को न्यायिक हिरासत में भेजने का इरादा नहीं है और पूछताछ के बाद उन्हें स्टेशन बेल पर छोड़ दिया जाएगा।

निजी टिप्पणी पर अब कोई नहीं बचेगा

यह घटना केवल कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी है। विजय की सरकार ने साफ दिखाया कि विपक्ष के नेता होने के बावजूद कोई भी व्यक्ति व्यक्तिगत टिप्पणियों और अभद्र बयानों से ऊपर नहीं है। यह टकराव अचानक नहीं आया है। चुनाव हारने के बाद उदयनिधि विपक्ष के नेता बने। विधानसभा में उन्होंने मुख्यमंत्री विजय पर कई बार निशाना साधा।

▶8पर

कपड़ा व्यापारी आत्महत्या

फंदे से लटका मिला शव, क़र्ज़ ले डूबा

ओम प्रकाश सिरवी

हैदराबाद, 04 अगस्त।

शहर के समीपवर्ती पहाड़ी शरीफ थाना क्षेत्र स्थित श्रीराम कॉलोनी में सोमवार सुबह एक कपड़ा व्यापारी का शव फांसी के फंदे पर लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान तेजाराम पुत्र लाबूराम सिरवी (52) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से राजस्थान के पाली जिले के चरवास गांव के निवासी थे तथा पिछले लगभग छह वर्षों से हैदराबाद में रहकर कपड़े का व्यवसाय कर रहे थे।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता अभिजीत जैन उर्फ बबलू मृतक के पारिवारिक मित्र हैं। उन्होंने बताया कि तेजाराम प्रतिदिन सुबह लगभग 6 बजे अपनी कपड़े की दुकान खोलते थे। 3 अगस्त की सुबह जब उनके परिचित चेन्नाराम दुकान पर पहुंचे तो तेजाराम वहां नहीं मिले। और साथ में दुकान बंद मिली, इसके बाद उनके कमरे पर पहुंचे और कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

फाइल फोटो : तेजाराम सिरवी (52)

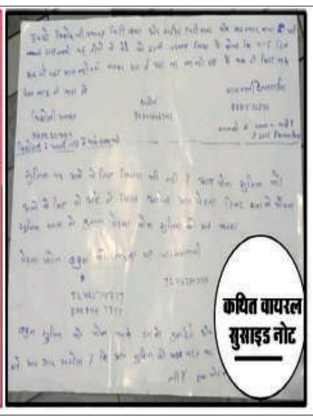
कथित वायरल सुसाइड नोट

शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे। सभी ने मिलकर दरवाजे को धक्का दिया, जिससे वह खुल गया। कमरे के भीतर प्रवेश करने पर तेजाराम सिरवी फाइबर की रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटके मिले। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही शिकायतकर्ता अभिजीत जैन भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय पुलिस ने सूचना मिलने पर मौके पर पहुँचकर पोस्टमार्टम के लिए शव को सरकारी अस्पताल भिजवाया।

एफआईआर में दर्ज शिकायत के अनुसार, मृतक ने कुछ समय पहले शिकायतकर्ता को बताया था कि उनका कपड़े का कारोबार लगातार घाटे में चल रहा है और वे आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई कि आर्थिक तंगी और व्यापारिक नुकसान से मानसिक रूप से परेशान होकर उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठाया होगा।

सूत्रों के अनुसार, स्थानीय क्षेत्र और परिजनों के बीच एक कथित हस्तलिखित सुसाइड नोट चर्चा का विषय बना हुआ है, जो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। कथित नोट में दावा किया गया है कि तीन व्यक्तियों द्वारा पैसों के लिए उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा था। इसमें 405 दिन का समय देने का अनुरोध करते हुए व्यापार ठंडा होने तथा बेटे के राजस्थान में होने का उल्लेख किया गया है। साथ ही, सबसे पहले पारसमल (बबलू) को सूचना देने, बेटे सुनील की मदद करने तथा जिन व्यक्तियों का लेन-देन बाकी था, उनके कथित नाम और मोबाइल नंबर भी दर्ज होने का उल्लेख है!

हालांकि, यह नोट सोशल मीडिया पर वायरल है। शुभ लाभ कथित सुसाइड नोट की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता है। इसकी सत्यता पुलिस जांच, फोरेंसिक परीक्षण एवं हस्तलेखन परीक्षण के बाद ही स्पष्ट होगी। सूचना मिलने पर पहाड़ी शरीफ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने एफआईआर संख्या 489/2026 के तहत बीएनएसएस की धारा 194 में अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक वी. लक्ष्मैया कर रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से प्राप्त साक्ष्यों तथा अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल एफआईआर में किसी भी व्यक्ति को आरोपी नहीं बनाया गया है।

न थोपें तीन भाषाएं...

सीबीएसई नीति पर सवाल, आज सुनवाई

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा नौवीं के छात्रों के लिए तीन भाषा नीति को अनिवार्य किए जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण ने मामले को जल्द सुनने की मांग रखी। अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि इस मामले को बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन बाद में इस मुकदमे को सूची से हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में तुरंत सुनवाई की जरूरत है क्योंकि कई छात्र ऐसी भाषा पढ़ने को मजबूर हैं, जिसके लिए उनके विद्यालयों में पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण ने न्यायालय को बताया कि बहुत से बच्चों को वह भाषा नहीं पढ़ाई जा रही है जो उन्होंने चुनी थी। बच्चों के लिए किताबें और शिक्षक भी उपलब्ध नहीं हैं। यह कक्षा 5-8 और कक्षा 8-10 के लिए है। छात्र बिना किसी शिक्षक या किताबों के कक्षा में बैठे हैं।

उन्होंने पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए कहा कि कोलकाता में हिंदी, बंगाली और संस्कृत के विकल्प हैं, लेकिन उनके पास संस्कृत या हिंदी के शिक्षक नहीं हैं। उन्होंने आगे बताया कि यह सूत्र 2030 में लागू होना था। इसके तहत भाषा चुनाव के लिए 22 भाषाओं का विकल्प देना जरूरी है, लेकिन अधिकांश विद्यालयों में ये विकल्प नहीं हैं। इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि भाषा चुनने का विकल्प कक्षा 6 में होना चाहिए और वह विकल्प भी ऐसे होने चाहिए जो वास्तव में संभव हो। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि न्यायालय से हमारा आग्रह है कि जो

▶8पर

योगी ने किया कानून में संशोधन

मदरसा डिग्री पर रोक

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मदरसे अब कामिल और फाजिल की डिग्रियां नहीं दे पाएंगे। उत्तर प्रदेश सरकार इसे लागू करने के लिए पुराने कानून में संशोधन करने जा रही है। उत्तर प्रदेश के मदरसों से मिली कामिल की डिग्री को स्नातक के बराबर माना जाता है। जबकि फाजिल की डिग्री स्नातकोत्तर के बराबर मानी जाती है। अब उत्तर प्रदेश के मदरसे केवल 12वीं कक्षा यानी कि आलिम स्तर तक की पढ़ाई करवा सकेंगे और उसका प्रमाण पत्र दे पाएंगे। योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंगलवार सुबह राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इससे जुड़े मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम-2004 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब इसे विधानसभा में पास कराया जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए लिया है। 5 नवंबर 2024 को सर्वोच्च न्यायालय ने अंजुम कादरी बनाम भारत संघ मामले में फैसला देते हुए कहा था कि मदरसे उच्च शिक्षा की डिग्रियां नहीं दे सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार कामिल और फाजिल डिग्रियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त नहीं है। इसलिए इन डिग्रियों की मान्यता खत्म की जाएगी।

सरकार का कहना है कि उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय मानक और विनियमन के अनुरूप बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। इससे जुड़े पुराने कानून में संशोधन के बाद मदरसा शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव लागू होंगे। सरकार के अनुसार इससे उच्च शिक्षा में एकरूपता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

हजारों छात्रों की पुरानी डिग्रियां भी हो सकती हैं रद्द

उत्तर प्रदेश सरकार यहीं नहीं रुकने वाली है। सरकार सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद पहले बांटी जा चुकी पुरानी उच्च शिक्षा डिग्रियों को भी रद्द करने की तैयारी में है। अगर ऐसा होता है तो प्रदेश के हजारों-लाखों छात्रों के सामने मुश्किल स्थिति पैदा हो सकती है। क्योंकि सरकार के ऐसे किसी भी फैसले से उनकी डिग्री महज कागज का एक टुकड़ा बन जाएगी। इसके बाद उस डिग्री के आधार पर वे न तो आगे पढ़ाई कर पाएंगे और न ही नौकरी के लिए आवेदन कर पाएंगे। कामिल अरबी, फ़ारसी और इस्लामी अध्ययन का तीन साल का पाठ्यक्रम है। उत्तर प्रदेश मदरसा परिषद की ओर से दिया जाने वाला कामिल पाठ्यक्रम पहले स्नातक डिग्री के बराबर माना जाता था।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

सीमा पर चीनी तोपें!

भारत का स्पष्ट संदेश, आत्मरक्षा करेंगे

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान द्वारा भारत से सटी सीमा पर चीन द्वारा निर्मित लगभग 250 एसएच-15 सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉवित्जर तोपों की तैनाती की रिपोर्ट के बीच भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। मंगलवार को विदेश मंत्रालय के साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि आत्मरक्षा में जो भी जरूरी कदम होगा, भारत वह उठाएगा।

पाकिस्तान द्वारा अपनी तोपखाने आधुनिकीकरण योजना के तहत की गई तैनाती से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि देखिए, ऑपरेशन सिंदूर के वक्त आपने देखा था कि हमने मुंह तोड़ जवाब दिया था। भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेगा। भारत का रुख सीमा पार आतंकवाद को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है।

उन्होंने कहा कि भारत का रुख सीमा पार आतंकवाद को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है। सीमा पार से आतंकवाद बंद हो, हमें अपने देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित के लिए जो भी कदम उठाना पड़ेगा, वह उठाएंगे। भारत उसके लिए सतर्कता से तैनात है।

संवाददाता सम्मेलन के दौरान रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए स्थानीय चुनावों को पूरी तरह से ढोंग करार दिया। उन्होंने कहा कि जून से अब तक पाक बलों की कार्रवाई में कम से कम 90 नागरिकों की जान जा चुकी है। पाकिस्तान वहां की जनता के विरोध और असंतोष को गोलियों, ब्लैकआउट और दमन के जरिए दबा रहा है।

दरअसल, मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की आर्टिलरी को बड़ा नुकसान पहुंचा था।

▶8पर

भारतीय जहाज़ पर हमला

14 नाविक सुरक्षित बचाए गये

सना, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

विस्फोटकों से भरी एक नाव द्वारा किए गए हमले के बाद, यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में भारत के झंडे वाला एक मालवाहक जहाज डूब गया। इस जहाज पर चालक दल के 14 सदस्य सवार थे, जिनमें 13 भारतीय और एक यमनी नाविक था। यमनी बलों द्वारा सभी 14 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। मोटर सेलिंग जहाज फैज नूर ओलिय्या पर हूथी के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 नॉटिकल मील दक्षिण में हमला किया गया। यमन की राष्ट्रीय प्रतिरोध सेना, जिसे गार्ड्स ऑफ द रिपब्लिक के नाम से भी जाना जाता है, ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक और नौसेना की इकाइयों ने नाविकों को बचाने के लिए एक संयुक्त अभियान चलाया। उन्होंने हमले के लिए हूती समूह को भी जिम्मेदार ठहराया।

भारत ने एक बयान में यमन के समुद्री इलाके के पास जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। केंद्रीय जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि उन्होंने महानिदेशक समुद्री प्रशासन को निर्देश दिया है

▶8पर

शादी में बारिश का होना कैसा शगुन होता है

मौसम कैसा होगा-सबको चिंता होती है कि कहीं बारिश आफत ना बन जाये। लोगों को चिंता रहती है उस दिन मौसम खराब या अप्रत्याशित ना हो जाये इसलिए लोग भावी मौसम की भविष्यवाणी जानते रहते हैं।

शादी है खुशी का दिन-आपकी शादी का दिन आपके जीवन का सबसे खुशी का दिन होना चाहिए। यह दिन प्यार, खुशी, आशा, उम्मीद, और उत्साह से भरा हुआ होना चाहिए।

बारिश फलदायी है-बारिश से सूखे स्थानों को पानी मिलता है, फसलें लहलहाती हैं, इस प्रकार बारिश फलदायी है और इसे अच्छे भाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसे ध्यान रखते हुये शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छी किस्मत की निशानी माना जाता है।

बारिश कई अच्छी चीजों की प्रतीक है-आपके जीवन के इस खास दिन पर होने वाली बारिश को कई कारणों से अच्छे भाग्य की निशानी माना जाता है। बारिश आशीर्वाद, सफाई, एकता, और एक नई शुरुआत की प्रतीक है।

कुछ संस्कृतियों में इसे परिवार के बढने की प्रतीक भी माना जाता है। इन सभी सकारात्मक कारणों से शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छा शगुन माना जाता है। आपका क्या मानना है।

आशा और आशीर्वाद-बारिश आशीर्वाद की प्रतीक है, और हर कोई अपनी शादी में आशीर्वाद प्राप्त करना चाहता है। आशीर्वाद आशा और समर्थन का सूचक है। जब आप एक नई संभावनाओं के साथ नई शुरुआत करने जा रहे हों तो आपको आशावादी जरूर होना चाहिए।

समृद्धि-आशीर्वाद, शारीरिक और भौतिक दोनों अर्थों में समृद्धि का प्रतीक है।

एक खुशहाल जीवन की आशा में, शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छे भाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

नई शुरुआत-बारिश के बाद हर चीज साफ हो जाती है और हर चीज तरोताजा एवं नई नजर आती है। जो लोग शादी करने करने जा रहे हैं वो भी नए सपने बुनते हुये एक साथ एक नई जिंदगी बसर करने जा रहे हैं। बारिश एक नई शुरुआत की सूचक है।

परिवार के बढने का संकेत-इसके साथ ही बारिश परिवार के बढने का संकेत है। पानी से चीजें उगती और बढती हैं। लोगों को उम्मीद होती है शादी के बाद उन्हें बच्चों की प्राप्ति होगी। इसलिए कुछ संस्कृतियों में माना जाता है बारिश नवयुगल के बच्चे पैदा होने और परिवार बढने का संकेत है, इसलिए यह एक प्रकार का आशीर्वाद है।

भौतिक संपत्ति-चीजों में वृद्धि होने तात्पर्य भौतिक धन-धान्य से है इसलिए यह प्रचुर मात्रा में संसाधनों, उत्पादकता, और एक अच्छी फसल आदि का प्रतीक है।

एकता-शादी के दिन बारिश होने को एकता का सूचक भी मान सकते हैं। इसके पीछे तर्क यह है कि शादी वाले आपस में गठजोड़ करते हैं यानि कि "गाँठ बांधते हैं।"

भारतीय महिलाएं क्यूं लेती हैं अपने सिर पर घूंघट

हमारे भारतीय समाज में महिलाओं को हमेशा समाजिक परंपराओं को निभाते और मानते हुए देखा गया है, जैसे कि वे हमेशा ही पारंपरिक कपडे, और गहने, पहनती हैं, माथे पर बिंदी लगाती हैं और सर पर घूंघट लेती हैं। भारत में महिलाओं दृारा सिर को ढकने की प्रथा ने हमेशा ही हमारे अंदर जिज्ञासा बढाई है, खासतौर पर उन लोगों के लिये जो भारतीय संस्कृति से बिल्कुल अलग हैं। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपे विज्ञान को समझना है जरुरी सिर पर घूँघट डालना अपने से बडों के सम्मान के रूप में देखा गया है, इसलिए महिलाएं अपनों से बडों के सामने अक्सर घूँघट करती हैं। शहरों में यह कुछ कम देखने को मिलता है मगर गांवों में आज भी महिलाएं अपने सर, चेहरा और गर्दन को पुरुषों से ढांक के रखती हैं।

भारतीय महिलाएं घूँघट क्यों लेती हैं।

क्या कहता है हिंदू ग्रंथ: आपको यह जान के आश्चर्य होगा कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में महिलाओं को पर्दे में रहने का कोई उल्लेख नहीं है। यहां तक कि पूजा के समय भी सर पर घूँघट रखना जरूरी नहीं है। भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग सुरक्षा के कारण: कुछ धर्मो में पर्दा रखना इसलिए जरुरी है, क्योंकि यह माना जाता है कि अगर महिलाएं खुद को पर्दे में रखेंगी तो वे अन्य पुरुषों से सुरक्षित रहेंगी। महिलाएं केवल अपने पति या पिता के सामने बेपर्दा हो सकती हैं।

मुस्लिम का आक्रमण: महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज मुस्लिम शासन के बाद से हुआ है। भारत में राजपूत शासन के दौरान महिलाओं को आक्रमणकारियों के बुरे इरादों से बचाने के लिए उन्हें पर्दा में रखा जाता था। इसका सबसे बडा उदहारण हैं चित्तौड की रानी पद्मिनीजिनकी खूबसूरती को देख कर अल उद दीन खिलजी ने उन्हें पाने के लिए चित्तौड पर आक्रमण कर था। लेकिन रानी पद्मिनी ने जौहर का प्रदर्शन किया और दुश्मन के चंगुल से बचने के लिए खुद को आग के हवाले कर दिया। तब से भारत में महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज शुरू हो गया। घूँघट का अस्तित्व मध्यकालीन के बाद से आया है, उस वक्त इसकी आवश्कता थी लेकिन समय के साथ इसे महिलाओं के ऊपर थोपा जाने लगा।

महर्षि श्रृंगी : भारतीय संस्कृति, वैदिक परम्परा और सिखवाल समाज की अमूल्य धरोहर

भारतीय सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उसने अपने इतिहास और संस्कृति का आधार केवल राजाओं और युद्धों को नहीं बनाया, बल्कि उन ऋषियों को सर्वोच्च स्थान दिया जिन्होंने तप, त्याग, ज्ञान और धर्म के माध्यम से समाज को दिशा प्रदान की। ऐसे ही महान ऋषियों में महर्षि ऋष्यशृंग (महर्षि श्रृंगी) का नाम अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है।

आज विडंबना यह है कि भगवान श्रीराम के जन्म की कथा से अधिकांश लोग परिचित हैं, किंतु उस पुत्रेष्टि यज्ञ के महर्षि, जिनके वेदज्ञान, तपबल और यज्ञीय सामर्थ्य से यह दिव्य कार्य संपन्न हुआ, उनके बारे में अपेक्षाकृत बहुत कम लोग जानते हैं। महर्षि श्रृंगी भारतीय ऋषि परम्परा के ऐसे तेजस्वी नक्षत्र हैं, जिनका योगदान केवल धार्मिक आख्यानों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और वैदिक परम्परा की आधारशिला से भी जुड़ा हुआ है।

पौराणिक परम्पराओं के अनुसार महर्षि श्रृंगी, महर्षि विभाण्डक के पुत्र थे। उनका जीवन वन की निर्मलता, नैष्ठिक ब्रह्मचर्य और कठोर तपस्या का अनुपम उदाहरण रहा। यही कारण है कि वैदिक ऋषियों में उन्हें विशिष्ट स्थान प्राप्त है। अंगदेश में भीषण अकाल के समय उनके आगमन से वर्षा होना तथा वृष्टि यज्ञ के माध्यम से जनजीवन को पुनर्जीवित करना इस तथ्य का प्रतीक है कि भारतीय संस्कृति में ऋषियों को केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि लोककल्याण का वाहक भी माना गया है।

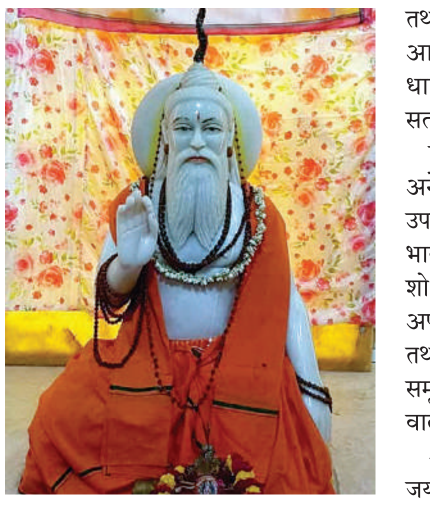

महर्षि श्रृंगी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान अयोध्या में सम्पन्न पुत्रेष्टि यज्ञ माना जाता है। गुरु वशिष्ठ के आग्रह पर उन्होंने महाराज दशरथ के लिए इस महायज्ञ का अनुष्ठान कराया, जिसके फलस्वरूप भगवान श्रीराम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का अवतार हुआ। इस दृष्टि से महर्षि श्रृंगी केवल रामायण के एक पात्र नहीं, बल्कि स्वयं श्रीराम के अवतरण की कथा के प्रमुख सूत्रधार हैं। राजकुमारी शांता के साथ उनका विवाह उन्हें अयोध्या के राजवंश से भी जोड़ता है।

सिखवाल, श्रृंगवाल अथवा सुखवाल ब्राह्मण समाज स्वयं को महर्षि श्रृंगी की वैदिक परम्परा का उत्तराधिकारी मानता है। यह केवल वंश परम्परा का विषय नहीं, बल्कि संस्कारों, वेदाध्ययन, यज्ञीय परम्परा तथा सामाजिक मर्यादाओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखने का दायित्व भी है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार तथा देश के अन्य राज्यों में फैला यह समाज आज भी अपनी सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक परम्पराओं को जीवित रखने का सतत प्रयास कर रहा है।

हालाँकि इतिहास और पुराणों से संबंधित अनेक कथाओं के विभिन्न संस्करण भी उपलब्ध हैं। इसलिए आवश्यक है कि समाज भावनाओं के साथ-साथ प्रामाणिक ग्रंथों, शोध एवं ऐतिहासिक स्रोतों के आधार पर अपने गौरवशाली अतीत का अध्ययन करे। तथ्य जितने अधिक प्रमाणित होंगे, हमारी समृद्ध विरासत उतनी ही सशक्त रूप में आने वाली पीढ़ियों तक पहुँच सकेगी।

आज आवश्यकता केवल महर्षि श्रृंगी की जयंती मनाने या उनके नाम का स्मरण करने की नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की है। तप का अर्थ आत्मसंयम, ज्ञान का अर्थ विवेक, यज्ञ का अर्थ लोककल्याण और पवित्रता का अर्थ चरित्र निर्माण है। यदि समाज इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाए, तभी महर्षि श्रृंगी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होगी।

महर्षि श्रृंगी केवल एक पौराणिक ऋषि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा के ऐसे शिखर पुरुष हैं, जिनकी विरासत आज भी समाज को संस्कार, संयम, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उनके जीवन का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना हजारों वर्ष पूर्व था। भारतीय संस्कृति की इस महान धरोहर को समझना, संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

– सुरेश कुमार व्यास जानम

क्या हैं यमराज द्वारा बताये मृत्यु रहस्य

हम सभी जानते हैं कि हम अमर नहीं हैं और एक दिन हमें मरना है। काल की घडी में धनी राज या भिखारी का एक ही स्थान है। जब भी मृत्यु का विषय आता है, चर्चा काफी रोचक हो जाती है क्योकि सभी मृत्यु के बारे में और जानना चाहते हैं। लोग मृत्यु के बारे में सब कुछ जानने के लिये जिज्ञासु हो जाते हैं। जो लोग ऐसी चीजों के बारे में जानना चाहते हैं वो सही जगह पर आये हैं क्योकि बोल्डस्की मृत्यु के देवता यमराज द्वारा मृत्यु के बारे में बताये गये कुछ छिपे रहस्यों को उजागर कर रहा है। प्रचीन धर्मग्रन्थों के अनुसार मृत्यु और आत्मा के रहस्यों के बारे में यमराज और नचिकेत नामक बालक के बीच चर्चा हुई थी। क्या है हिन्दु धर्म में मृत्यु का संकेत यहाँ पर कुछ रहस्यों को उजागर किया जा रहा है जिन्हें मृत्यु के देवता यमराज द्वारा नचिकेत को बताया गया था।

नचिकेत के वरदान-

जब नचिकेत यमराज से मिलने गये तो उन्हों ने तीन वरदान माँगे। पहले वरदान में पिता के प्रेम की कामना, दूसरे में अग्नि विद्या का ज्ञान और तीसरे में मृत्यु और आत्मा का ज्ञान माँगा। यमराज अन्तिम वरदान को नहीं पूरा करना चाहते थे लेकिन बालक ने हठ किया। इसलिये यमराज मृत्यु के बाद क्या होता है, इसके रहस्योद्घाटन के लिये तैयार हो गये।

रहस्योद्घाटन –

धर्मग्रन्थों के अनुसार यमराज ने बताया कि ओउम (ओंकार) परमात्मा का स्वरूप है। उन्होंने यह भी बताया कि मनुष्य के हृदय में ब्रहमा का वास होता है।

आत्मा –

यमराज ने कहा कि आत्मा मनुष्य की मृत्यु के बाद भी नहीं मरती। संक्षेप में, शरीर का आत्मा के विनाश से कोई सम्बन्ध नहीं है। आत्मा कभी जन्म नहीं लेती न मरती है।

ब्रहमरूप –

मृत्यु के बाद मनुष्य जन्म-मत्यु के चक्र को पूरा करता है। इसका मतलब यह है कि मनुष्य जन्म-मत्यु के चक्र अर्थात ब्रहम रूप से मुक्त हो जाता है।

ईश्वरीय शक्ति –

यमराज ने कहा कि जो लोग ईश्वर में आस्था नहीं रखते और नास्तिक होते हैं वे मृत्यु के बाद भी शान्ति की तलाश में रहते है। उनकी आत्मायें भी शान्ति की तलाश करती है।

दुनिया में हर चीज है नश्वर

दुनिया में हर काम में लोग सेवानिवृत्त हो जाते हैं, इसलिए नहीं कि उनमें समझ नहीं रहती है बल्कि वो उस तक अक्षम्य होते जाते हैं, उस काम को करने में, उस काम को उस तरीके से समझने में, उसकी आधुनिकता को समझने में। अगर आप भी किसी काम को बखूबी करने के बाद अचानक से उसमें गिरावट महसूस करते हैं तो समझें कि शायद आपको उसमें भी कुछ नयापन लाने की जरूरत है या फिर आपको उस काम सेवानिवृत्ति ले लेनी चाहिए। दुनिया में जो भी निर्मित है, जिसका भी निर्माण किया गया है, सभी में अध्यात्म का सार होता है, सभी के जीवन का एक चक्र होता है। एक सम्पूर्ण जीवन के बाद उसे खींचना या जबरन इस्तेमाल करना या चलाना सिर्फ मनुष्य की जिद होती है।

सम्पूर्णता होने के बाद संभावनाओं के बारे में सोचना गलत नहीं है लेकिन उसे पाना गलत है। दुनिया में हजारों लोग इस भंवर में फसे रह जाते है, उन्हे समझ नहीं आता है कि यर्थाथ क्या है,सत्य क्या है। कई बार तो वे सत्य जानते हुए भी दूर भागते हैं। खुद को मूर्ख बनाने से बेहतर है कि आपका जीवन के प्रति उठाया गया हर कदम सटीक और भावपूर्ण हों, उसमें कोई आशा और निराशा न हों। शरीर से परे भी दुनिया में पाने को बहुत कुछ है, खुद को समझें, अपने आप को समझें, अपनी सोच को समझें, जो देखा है, दिखा हुआ है, समझा हुआ है, उसे समझकर क्या करना। जो इंसान शरीर को समझता है, उसे लगता है दुनिया में शरीर ही सबकुछ है, उसे बुढापे से डर लगता है, क्योंकि उसे अनुभव से प्यार नहीं होता है। शरीर का बूढा होना समस्या नहीं है, यह तो आर्शीवाद है लेकिन हम इससे ही कतराते हैं क्योंकि हम दुर्बल हो जाते हैं। मछली-जब एक बार आप जीवन में उच्च शिखर पर पहुंच जाते है, तो आपको अपने जीवन की दिशा और ऊर्जा को सही करने का मौका मिलता है, बस उस बिंदु को जिसने समझा वह सच्चा व्यक्ति है। सफलता और सच्चाई में रत्ती भर भी अंतर नहीं है दोनों ही पूरक हैं। लडकी-हर व्यक्ति को याद रखना चाहिए कि जिस दिन उसका जन्म होता है उसी दिन से उसके मरने की स्पीड क्लॉक चलने लगती है, कोई भी नश्वर नहीं होता है। अगर आप एक अच्छे विश्लेषणकर्ता है तो आपको कई बार इसका आभास भी हो जाएगा। अगर आप इन बातों को मजाक मानते हुए शरीर को ही सबकुछ मान लेते हैं तो स्वयं को मूर्ख बनाते हैं। पत्थर-बढती उम्र सिर्फ इतना ही नहीं है कि आपका शरीर कांपने लगा है, इसे आप दूसरे तरीके से देख सकते हैं।

आपने इतनी उम्र बिताई, हजारों यादें लोगों को दी और उन्हे प्रेरणा दी, सहारा दिया, प्यार दिया, अच्छे पल दिए , इसलिए जब आखिरी सांसे लें तो मुस्कराएं और सोचे कि जो भी वक्त बिताया वो बेहतरीन था। इस सोच की कमी हमारी गलती नहीं हैं बल्कि हमारी पारंपरिक सोच का नतीजा है, हमारा हर तरीके से न सोचने का परिणाम है। कई बार तो जिंदगी के बुरे अनुभव भी लोग एक-दूसरे के साथ साझा नहीं करते हैं उन्हे लगता है कि इससे बदनामी होगा, उन्हे शायद यह नहीं मालूम होता है कि न अनुभवों से किसी को राह मिल सकती है, किसी को सबक मिल सकता है। पर नही हम कभी ऐसा नहीं करते हैं। हमें अमरता चाहिए, हम डरते हैं कि हम नश्वर है, पर सच ये है कि दुनिया में हर क्षण, हर दिल, हर वस्तु, प्राणी सब कुछ नश्वर है। नाश सभी का होता है पर अनुभव उसे जीवित रखता है। जीवन में मृत्यु में फर्क नहीं होता है, फर्क सोच में होता है।

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्पती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। इस दौरान रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बक्तल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का अयोजन किया जाता है। यह परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बडे सद्भाव और सोहाद्र के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढे, महिला-पुरुष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

इस पर्वत पर गिरा था देवी सती का सिर

चंबा-मसूरी मोटर मार्ग पर तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर सुरकुट पर्वत पर सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर स्थित है। मान्यता है कि देवी सती का सिर इस पर्वत पर गिरा था। गंगा दशहरे के मौके पर यहां मेला लगता है, जबकि हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। जब राजा दक्ष ने हरिद्वार कनखल में यज्ञ किया तो उसमें भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। शिव के मना करने पर भी देवी सती यज्ञ में शामिल होने चली गई। वहां भगवान शिव का अपमान होने पर वे यज्ञ में कूद गई। भगवान शिव को जब यह पता चला तो वह क्रोधित होकर यज्ञ स्थल पर पहुंचे। यहां सती की देह को त्रिशूल में लटकाकर सृष्टि में विचरण करने लगे। इस दौरान सुरकुट पर्वत पर सती का सिर गिरा जिस कारण इसका नाम सुरकंडा पडा। तभी से यह स्थान सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर इकलौता सिद्धपीठ है, जहां गंगा दशहरे के मौके पर मेला लगता है और हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। खास बात यह है कि मंदिर में प्रसाद के रूप में रौंसली (थुनेर) के पत्ते दिए जाते हैं। दूर-दूर से लोग इस सिद्धपीठ के दर्शनों के लिए यहां आते हैं।

बुद्ध संसार के हर प्राणी से इतना प्रेम करते थे

भगवान बुद्ध एक बार उपदेश देने एक गांव में पहुंचे। वहां उनके पडाव का अंतिम दिन था। तब वह उस गांव के एक व्यक्ति के यहां पहुंचे। वो गरीब था। उसके पास भगवान बुद्ध के आतिथ्य के लिए कुछ भी न था। तब उसने घर के बाहर देखा। जहां उसकी नजर बरसात में भीगी लकडियों पर पडी, जिन पर कुकुरमुत्ता(मशरूम) लगे हुए थे। उसने उन्हें तोडा और बडे ही प्रेमपूर्वक उनकी सब्जी बनाई। लेकिन उस गरीब को पता नहीं था की मशरूम काफी कडवे जहर के समान थे। वह बुद्ध से पूछता कि कैसा है भोजन और बुद्ध कहते बहुत ही स्वादिष्ट। मशरूम जहरीले थे। जिसके कारण उसका जहर बुद्ध के शरीर में फैल गया। यह देख उस व्यक्ति ने वैद्य को बुलाया। वैद्य ने बुद्ध से कहा, कि जब आपको मशरूम कडवे लगे तब आपने उस व्यक्ति से क्यों नहीं कहा।

एल्यूमीनियम फॉयल से दूर करें सभी दर्द

एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल अक्सर खाने को पैक करने के लिए करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नियमित रूप से एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल खाने को रैप करने के अलावा कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए किया जा सकता है। जी हां यह बात एक नए शोध से सामने आई है कि एल्यूमीनियम फॉयल के इस्तेमाल से शरीर के किसी भी अंग में होने वाले दर्द को दूर किया जा सकता है। आइए इसके बारे में हम विस्तार से बताते हैं।

गायब हो जाएगा दर्द

अगर आपके गर्दन, पीठ, कंधे, घुटने या पैरों में दर्द है, तो दर्द वाले हिस्से में एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल करें। आप देखेंगे कि समय की एक निश्चित अवधि के बाद आपका दर्द गायब हो जाएगा। एल्यूमीनियम फॉयल में चिकित्सीय गुण होते हैं और अक्सर चीनी और रूसी चिकित्सकों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे करें उपचार?

एल्यूमीनियम फॉयल का एक टुकड़ा लेकर, दर्द वाले जगह लगाकर उसपर बैंडेज बांध दें। एल्यूमीनियम फॉयल गर्दन, पीठ, हाथ, पैर, जोड़ों और इसी तरह के दर्द के इलाज के लिए उत्कृष्ट होता है। इसके अलावा यह गठिया और निशान के इलाज के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर

एल्यूमीनियम फॉयल में बहुत अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण होते हैं। गाउट का इलाज करते समय फॉयल के टुकड़े को निशान पर लगाना या अंगूठे पर लपेटकर बैंडेज बांधना जरूरी होता है। चीनी चिकित्सकों का विश्वास है कि यह इलाज कम से कम 10 से 12 घंटे के लिए किया जाना चाहिए। शरीर के दर्दनाक हिस्से पर एल्यूमीनियम फॉयल लगाकर रात भर के लिए छोड़ देना चाहिए। फिर 1 से 2 सप्ताह का ब्रेक लेने के बाद यदि आवश्यक हो तो इलाज को दोहराना चाहिए।

जुकाम दूर करने में सहायक

जुकाम होने पर भी आप एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 5-7 परतों में फॉयल को अपने पैर पर लपेटें और प्रत्येक परत के बीच कागज और पतला सा कपड़ा लगाए। इसे कुछ घंटों के लिए ऐसे ही रहने दें। दो घंटे के बाद इसे निकाल कर रीसेट करें। फिर से कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। उपचार को तीन बार दोहराया जाना चाहिए।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है चना

चने अपने पोषक तत्वों की वजह से सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, सोडियम और सेलेनियम होता है। आप इसे भिगोकर और सब्जी बनाकर भी खा सकते हैं। अंकुरित चने विटामिन और बी कॉम्प्लेक्स का अच्छा स्रोत हैं। चने से आपको भरपूर ऊर्जा मिलती है और आपका पाचन तंत्र भी सही बना रहता है।

सर्दी भगाने वाली दवा से रक्तचाप का खतरा

सर्दी भगाने के लिए दी जाने वाली दवाओं से हृदय गति व रक्तचाप बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। खास कर, बच्चों के मामले में , क्योंकि ऐसी दवाएं बच्चों के लिए घातक भी हो सकती है। एक अध्ययन से पता चला है कि दो वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों के मामले में सर्दी की दवा घातक साबित हो सकती है। यह भी कहा गया है कि माता-पिता को बच्चों के चिकित्सकीय सलाह पर पूरी तरह अमल करना चाहिए।

हर दिल की चाहत आर्टिफिशल स्वीट्नर

जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? कुछ लोग अपने लंच बाक्स के साथ एक डिब्बा मीठा भी ले जाते हैं। यह उनकी दिनचर्या है। वह तमाम कोशिशों के बावजूद इससे खुद को रोक नहीं पाते। यही कारण है कि जिस दिन वह मिठाई जो कि कृत्रिम मीठे से बनी होती है, नहीं ले जा पाते,तो वह दुकान कुछ न कुछ खरीदकर खा लेते हैं। इसके कारण उन्हें मोटापा आदि समस्याओं का भी समाना करना पड़ता है। बावजूद इसके जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? आइए जानने के लिए आगे पड़ते हैं।

आर्टिफिशल स्वीटनर की लालसा

कृत्रिम मीठा खाने से यह सीधे हमारे मस्तिष्क को प्रभावित करता है। नतीजतन न चाहते हुए भी हम मीठे की ओर लालायित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी यह हो जाता है कि कृत्रिम मिठाई को अपनी जीवनशैली का हिस्सा न बनाए। असल में कृत्रिम मिठाई में यूं तो कहा जाता है कि इसमें शुगर का स्तर बेहद कम होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के बेहतर होता है। लेकिन सच्चाई इससे इतर है। चूंकि यह कृत्रिम मीठा है तो आपको बताते चलें कि इसके अपने नुकसान हैं। खासकर यदि मोटे लोग इसका सेवन करते हैं तो वे इससे दूर नहीं रह सकते। बहरहाल कृत्रिम मीठे का सबसे गहरा असर हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है जिससे हम मीठे से भाग नहीं पाते।

मस्तिष्क पर प्रभाव

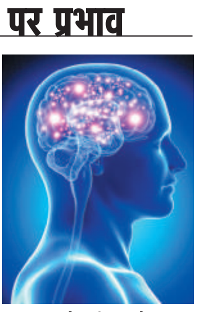

मीठा एक ऐसी चीज है जिसे एक बार खाओ तो दूसरी बार बिन खाए नहीं रह सकते। कृत्रिम मिठाई भी अपने अंदर इस गुण को समेटे हुए हैं। असल में जब हम कोई कृत्रिम मिठाई खाते हैं तो वह हमारे जीभ को बहुत पसंद आता है। जीभ को पसंद आने का मतलब है कि उसे दोबारा खाने का लालच पैदा हो रहा है। जब कोई चीज दोबारा खाने का लालच बने तो ऐसे में जरूरी यह होता है कि उससे दूरी बनाए रखें। असल में जैसे कि हर चीज की अति बुरी होती है, ठीक इसी तरह कृत्रिम मीठा भी हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मस्तिष्क में घोटाला

असल में जब हम कृत्रिम मीठा खा लेते हैं तो मस्तिष्क में घोटाला होने लगता है। ऊर्जा और चाह में कंफ्यूशन बढ़ जाती है। यह नहीं समझ आता कि अपनी ऊर्जा किस चीज में खर्च की जाए। होता ये है कि हम खाने पीने की चीजें ढूंढने में अपनी ऊर्जा नष्ट करने लगते हैं। असल में मस्ष्कि ज्यादा कैलोरी की डिमांग करने लगता है जिससे कि यदि कोई खाद्य पदार्थ न मिले तो मस्तिष्क को आराम नहीं मिलता।

नींद में खलल

कृत्रिम मीठा सिर्फ हमारे मोटापे को ही प्रभावित नहीं करती। इसके अलावा जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं, उन्हें नींद भी कम आती है। दरअसल कृत्रिम मीठा हमारी नींद को प्रभावित करता है। नींद न सिर्फ कम आती है बल्कि उसकी गुणवत्ता में भी कमी आ जाती है। कहने का मतलब यह है कि एक व्यक्ति को प्रत्येक दिन 8 घंटे की सामान्य और 4 घंटे की गहरी नींद की आवश्यकता होती है। यदि हम 4 घंटे की गहरी नींद ले लें तो इसके बाद हमें और सोने की जरूरत नहीं रह जाती। लेकिन जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं उन्हें गहरी नींद नहीं आ पाती। वे अकसर रात भर जगे रहते हैं। इससे उनकी जीवनशैली भी प्रभावित होती है।

मोटापा बढ़ना

पहले ही इस बात का जिक्र किया गया है कि कृत्रिम मीठा खाने से मोटापा बढ़ता है। खासकर उन लोगों में मोटापा ज्यादा बढ़ता है जो लोग खाद्य पदार्थ के साथ साथ ड्रिंक लिक्विड कृत्रिम मीठे सहित लेते हैं। इनमें कैलोरी बढ़ती है, किसी भी समय कुछ भी खाने के आदी होते हैं। यही नहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि जो लोग कृत्रिम मीठा खाने के शौकीन होते हैं, वे मीठा देखकर सामान्य लोगों से भिन्न प्रतिक्रिया करते हैं। उन्हें देख ऐसा लगता है कि वे सिर्फ मीठे के लिए ही जीवित हैं।

पानी पीना

यदि आप कृत्रिम मीठा खाने के कारण काफी ज्यादा मोटे हो चुके हैं और इस समस्या का निदान नहीं मिल रहा। ऐसे में बेहतर है कि जितना हो

सके पानी पीयें। इतना ही नहीं जब भी मीठा खाने का मन हो, उसके बजाय पानी को तरजीह दें।

पॉलिथिन में पैक सैंडविच को कहें NO....

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास किसी चीज की कमी है तो वह है वक्त। लोग आजकल इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। आजकल लोग सबसे अधिक स्नैक्स और फास्टफूड का सेवन कर रहे हैं। जिससे कई बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। फास्ट फूड में एक है सैंडविच जो लोगों की पंसदीदा आहार में से एक है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब भी आप सैंडविच लेते हैं तो यह एक पतली पन्नी में लिपटी मिलती है। पन्नी के साथ लिपटी सैंडविच सेहत के लिए कितनी नुकसानदेह है इसके बारे में इस लेख के माध्यम से जानते हैं।

पुराना स्टोर किया हुआ

अधिकतर दुकानों पर जो सैंडविच मिलती है उसमें इस्तेमाल किए जाने वाले अंडे, मीट, चिकन, पनीर या मछली को दुकानदार फ्रिज में स्टोर रखते हैं। वैसे सामान्य तौर पर इन चीजों को दो दिन से ज्यादा स्टोर नहीं करना चाहिए लेकिन ये लोग कई दिनों तक इसे फ्रिज में रखते हैं और ग्राहकों को दे देते हैं। इसके सेवन से संक्रमण का खतरा अधिक रहता है।

तापमान का ध्यान न रखना

जरूरी नहीं कि आप जो सैंडविच ले रहे हैं वो सही टेंपरेचर पर स्टोर की गई है। चूंकि सैंडविच में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जियों को अगर सही तापमान पर नहीं स्टोर किया गया तो वे एक दिन में ही खराब हो जाती हैं। खासतौर पर पकी हुई सब्जियां और जल्दी खराब हो जाती हैं। इसलिए इनके सेवन से फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है।

कैलोरी काउंट का ध्यान न रखना

सैंडविच को और मुलायम बनाने के लिए कई बार दुकानदार उसमें बहुत अधिक बटर मिलाते हैं। जिस कारण इसमें कैलोरी की मात्रा काफी बढ़ जाती है जो आपकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। खासतौर पर अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो इसे बिल्कुल न खाएं।

गलत तरीके से पैकेजिंग

सैंडविच की पैकेजिंग के लिए जिस पतली सी फिल्म का इस्तेमाल किया जाता है वो भी संक्रमित हो सकती है। सैंडविच में मौजूद एसिडिक चीजों जैसे कि टमाटर और सिरका के कारण इस पतली फिल्म में छेद भी हो सकता है जिससे इसके अन्दर बैक्टीरिया भी घुस सकते हैं। जिसके कारण संक्रमण हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपको अपने आसपास कोई ऐसी शॉप नहीं मिल रही है जहां पर फ्रेश सैंडविच मिलता हो, तो इसकी बजाय आप पास के किसी रेस्टोरेंट में जाकर इडली और डोसा खा लें। अगर आप मूवी देखने गए हैं और आपको जोरों की भूख लगी है तो सैंडविच के बजाय एक मध्यम आकार का पॉपकॉर्न लें। इससे आपकी भूख भी मिट जाएगी और इससे कोई नुकसान भी नहीं होगा। हो सके तो हेल्दी फूड ही खाएं।

ऑयली स्किन के लिए घरेलू उपाय

ऑयली स्किन महिलाओं की बड़ी समस्या है। कई महिलाओं को अपने चेहरे पर चमक दिखाई देती है, जो उनके मेकअप और मॉश्चराइजर को नुकसान पहुंचाती है। वक्त की कमी के चलते यह समस्या और ज्यादा बढ़ गई है। हमारे आहार में पोषण की कमी ने इस समस्या में इजाफा ही किया है। खुद को बचाने के लिए त्वचा अधिक मेहनत करती है और परिणामस्वरूप वह तेल का निर्माण करने लगती है।

ऑयली स्किन के नुकसान

ऑयली स्किन वाले लोगों को चेहरे पर चिपचिपाहट महसूस होती रहती है। शॉवर के फौरन बाद उनका चेहरा ऑयली और मैला लगने लगता है। ऑयली त्वचा मिट्टी और मैल को जल्दी पकड़ लेती है और साथ ही इससे आपका मेकअप भी बहुत जल्दी पिघल जाता है। ऑयली स्किन वाली महिलाओं को दिन में कई बार मेकअप लगाना पड़ता है। मैल और मिट्टी के जो कण त्वचा के साथ चिपक जाते हैं, वे आगे चलकर एक्ने और त्वचा संबंधी अन्य परेशानियों का कारण बनते हैं।

क्यों होती है ऑयली स्किन?

अनुवांशिक: अगर आप कायदे से हर ब्यूटी टिप्स का पालन कर रहे हैं। और इसके साथ ही आप स्किन के ऑयल प्रोडक्शन की संभावनाओं से बचने के सभी जरूरी प्रयास भी कर रहे हैं और इसके बाद भी अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके लिए आप अनुवांशिकता को उत्तरदायी ठहरा सकते हैं। जब ऑयली स्किन अनुवांशिकता के कारण हो, तो इस बात की पूरी संभावना है कि परिवार के हर सदस्य को ऑयली स्किन की परेशानी होगी। परिवार के हर सदस्य में ऑयल निर्माण करने वाली ग्रंथियां ज्यादा होंगी।

स्किन केयर उत्पादों का अधिक इस्तेमाल: शानदार चमकदार त्वचा पाने की चाह में कई लोग क्लींजर, एक्फोलिएट और स्क्रब का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। इससे रोम छिद्रों पर बेकार का दबाव पड़ता है, जो आगे चलकर ऑयली स्किन का कारण बनता है।

मौसम में बदलाव: गर्मियों और बरसातों में वातावरण में उमस और नमी काफी बढ़ जाती है। इससे त्वचा में ऑयल का अधिक निर्माण होता है। सर्दियों के दौरान, त्वचा रूखी हो जाती है। उसमें नमी और पोषण की कमी हो जाती है। इसे पूरा करने के लिए त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करती है।

दवायें: हॉर्मोन बैलेंस के लिए दी जाने वाली दवाओं के कारण भी त्वचा में अधिक ऑयल का निर्माण होने लगता है। इसके साथ ही कुछ दवायें त्वचा में नमी की कमी का भी कारण बनती हैं। पोषण के इस असंतुलन से लड़ने के लिए त्वचा अधिक मात्रा मे ऑयल का निर्माण करती है।

गलत उत्पादों का इस्तेमाल: जब महिलायें ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल करती हैं, जो उन्हें सूट नहीं करता, तो त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करने लगती है। यदि किसी की मिश्रित त्वचा है और वह ऑयली स्किन वाला माश्चराइजर या क्लींजर इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो उसकी त्वचा अधिक ऑयली होनी शुरू हो जाएगी।

तनाव: तनाव भी ऑयली स्किन की बड़ी वजह होता है। जब व्यक्ति तनाव में होता है तो शरीर एंड्रोगन्स हॉर्मोन का निर्माण शुरू कर देता है। जिससे ऑयली स्किन होती है।

क्लीजिंग: अपनी त्वचा को क्लीन करने का सबसे पहला नियम है कि आप उस पर जमा अतिरिक्त ऑयल निकालें। दिन में दो बार चेहरा जरूर धोयें। और ऑयली स्किन वालों के लिए यह जरूरी है। सुबह और शाम चेहरा धोने की आदत बनाएं। अधिक ऑयल से आपके चेहरे पर गंदगी चिपकी रहती है। लेकिन, अपने चेहरे को बार-बार धोने से बचें। ज्यादा बार धोन से त्वचा का कुदरती पोषण कम हो सकता है।

शहद और सेब

सेब को काटकर उसे ब्लैंड कर लीजिए। इसमें थोड़ा शहद मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दीजिए। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लीजिए।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लीजिए। इस प्रयोग को एक महीने तक कीजिए। और इसके बाद आपको बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे।

पपीता

पपीते को मैश कर लीजिए और इसे अच्छे से मिला लीजिए। इस मिश्रण से अपने चेहरे पर मसाज कीजिए और इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दीजिए। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लीजिए।

आसान नुस्खे

अपनी त्वचा की देखभाल करने के लिए आपको कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए। ये उपाय कारगर तथा किफायती होते हैं। घरेलू उपाय न केवल आपकी त्वचा को ऑयल फ्री बनाते हैं बल्कि दाग-धब्बे हटाने का भी काम करते हैं। ऑयली स्किन की देखभाल के लिए काफी समय और संयम की जरूरत होती है। बड़े रोम छिद्रों को बंद करना और चिपचपेपन को हटाने के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत करने की जरूरत होती है। यहां हम आपको कुछ ब्यूटी टिप्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑयली स्किन की समस्या से बच सकते हैं। इन उपायों को आसानी से घर पर रहकर ही आजमाया जा सकता है।

मेकअप हटाए

भले ही आप मेकअप लगाने की आदी न हों, लेकिन इसे हटाना कभी न भूलें। सोने से पहले अच्छे से क्लींजर से मेकअप हटाए और चेहरा धोकर सोने जाएं। मेकअप रिमूविंग क्रीम और ऑयली फेस के लिए फेसवॉश इस्तेमाल करें। आपको ऐसा फेसवॉश इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें सेजलिसिलिक एसिड हो।

एक्ने के लिए क्रीम

चेहरा साफ करने के बाद उस पर एस्ट्रिंगजेंट लगाएं। अगर आप एस्ट्रिंगजेंट लगाते हैं, तो याद रखें वह अल्कोहोलिक न हो। साथ ही दिन में एक बार से ज्यादा इसका इस्तेमाल न करें। ये उत्पाद त्वचा को रूखा कर सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेकर दिन में दो बार एक्ने से लड़ने वाली क्रीम लगाइए।

माश्चराइजर

आपकी त्वचा के लिए माश्चराइजर बहुत जरूरी है। लेकिन, मॉश्चराइजर चुनते समय इस बात का ध्यान रखें कि आप गलती न करें। ऐसा मॉश्चराइजर चुनें जो आपकी त्वचा के लिए सही हो। आप कितना माश्चराइजर लगाते हैं यह पूरी तरह आपकी त्वचा के रूखेपन पर निर्भर करता है। आपको ऐसा माश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए जिसमें कोका बटर और मिनरल ऑयल हों। नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉश्चराइजर आपके लिए सही रहेगा।

सनस्क्रीन

भले ही आसमान में बादल छा रहे हों, लेकिन आपको सनस्क्रीन लगाए बिना घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। आपका सनस्क्रीन कम से कम 15 एसपीएफ होना चाहिए। लेकिन, जरूरत है कि आप ऑयली स्किन के लिए बने सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

सेव टमेटा

सामग्री

1 1/2 कप सेव , बाजार में आसानी से उपलब्ध, 2 1/4 कप टमाटर के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ अदरक, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** रोटली

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा, हींग और अदरक डालें। जब बीज चटकने लगे, टमाटर, हल्दी पाउडर, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 8-10 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। आंच से हठाकर, सेव डालकर अच्छी तरह मिला लें। रोटली के साथ तुरंत परोसें। सुलभ सुझाव : जितना हो सके, इस व्यंजन को परोसने से पहले बनाऐं वरना सेव नरम हो जाती है।

चटपटी मटर चाट

सामग्री

2 कप सूखे मटर, 3 आलू, 1 प्याज, बारीक कटी हुई, 1 टमाटर, बारीक कटा हुआ, 2 नींबू , आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा, 1 चुटकी हींग, 1 कप इमली की चटनी, 1 कप हरी चटनी, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच काला नमक, 1 चम्मच जीरा, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच हरा धनिया, बारीक कटी हुई। **सेंव गार्निशिंग के लिए:** 2 चम्मच तेल, 1 चम्मच चाट मसाला, आधा चम्मच धनिया पाउडर, 1 चौथाई चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चौथाई चम्मच अमचूर, 2-3 पापड़ी

विधि

सबसे पहले मटर को धोकर 5-6 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। जब मटर अच्छी तरह भीग जाए तो पानी निकाल लें। अब भीगी हुई मटर को एक बार और धो लें फिर प्रेशर कूकर में मटर, आलू , थोड़ा-सा पानी, बेकिंग सोडा और हींग डालकर 4 सीटी लगा लें। अब एक फ्राई पैन में तेल डाल कर गरम करें व इसमें जीरा व टमाटर डालकर 2 मिनट तक मैश करते हुए पकाएं। फिर इसमें उबले मटर और आलू डालें। इसके ऊपर धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर डालें और अच्छी तरह मैश कर पकाएं। अब इसमें आधा कप पानी और नमक डालकर पकाएं। जब पानी लगभग सूख जाए तो आंच बंद कर दें। अब एक छोटे बाउल में मटर चाट निकालें। इसके ऊपर प्याज डाल दें साथ ही सभी मसाले और नींबू का रस मिलाकर आवश्यकतानुसार इमली व हरी चटनी भी डालें। इस पर सेंव, पापड़ी और हरी धनिया पत्ती डालें और सर्व करें।

संपादकीय

संसद में 'भगवा' स्वांग

संसद भवन कोई नाटक खेलने या स्वांग रचने का मंच नहीं है। वह देश के गणतंत्र का सर्वोच्च, पवित्र, गरिमामय और मर्यादित मंच है। बेशक हमारे माननीय सांसदों ने ही इसकी गरिमा, छवि सवालिया की है। बेशक संसद परिसर में सांसद और राजनीतिक समूह विरोध-प्रदर्शन कर सकते हैं, धरने भी दिए जाते रहे हैं, लेकिन ऐसे ढोंग, नौटंकी पर उन्हें ही विचार करना चाहिए कि ये देशहित, जनहित और असंख्य आस्थाओं के पक्ष में है अथवा नहीं! बिहार से निर्दलीय सांसद (कांग्रेस समर्थक) पप्पू यादव ने संसद परिसर में जो कुछ भी किया, निश्चित रूप से वह सनातन-विरोधी था। प्रभु श्रीराम का अपमान भी था। मिथ्या, खोखले आरोपों का नाटकीय मंचन भी था। पप्पू यादव संसद भवन को 'राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय' का प्रतीक भी नहीं दे सकते। साधु-संतों ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदा-चढ़ावे की चोरी-डकैती की, ऐसा कोई साक्ष्य, आरोप या जांच-दल का निष्कर्ष नहीं है। इस मुद्दे पर संसद के भीतर विचारोत्तेजक, आरोपिया बहस की जानी चाहिए और मोदी सरकार-भाजपा को जवाब देने को बाध्य किया जाना चाहिए। पप्पू यादव का साधु-वेश धारण करना और चंदा-चोरी का प्रतीकात्मक अभिनय करना कमोबेश संसद भवन में नहीं किया जाना चाहिए था। पूर्णिया के लाखों लोगों ने उन्हें इसलिए निर्वाचित नहीं किया है। संविधान लागू हुए 76 वर्ष बीत चुके हैं और 18वीं लोकसभा अभी अस्तित्व में है, लेकिन ऐसी अपमानजनक राजनीति का नाटक हमने नहीं सुना और बीते तीन दशकों से देखा भी नहीं है। सचमुच प्रभु श्रीराम के मंदिर में यह चोरी-डकैती अत्यंत नीच, घटिया किस्म का भ्रष्टाचार है। जब चोरी के पैसे से बनाई गई संपत्तियों पर बुलडोजर चलाए जाएंगे, तो भी राजनीतिक दल चिल्ल-पौं करेंगे। बहरहाल इस संदर्भ में जो कार्रवाई की जानी चाहिए थी, वह की गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल का इस्तीफा मंजूर हो चुका है और नए महासचिव पदासीन हो रहे हैं। जो चेहरे सवालिया और कलंकित हैं, उनसे पुलिस और जांच-दल ने पूछताछ की है। पप्पू ने ऐसे कुछ जिम्मेदार लोगों को 'चोर' कहा है, जो कानूनन उचित नहीं है। जांच अभी जारी है। सर्वोच्च अदालत तक मामला पहुंच चुका है और अदालत ने एसआईटी की रपट का अभी तक का ब्यौरा मांगा है। कई कलंकित, भ्रष्ट चेहरे अब भी जेल में हैं और पुलिस उनसे सिलसिलेवार पूछताछ कर रही है। यकीनन राम मंदिर के भीतर का यह अपराध एक आस्थावान वर्ग के लिए 'आध्यात्मिक आघात' से कम नहीं है। यदि यह अपराध कुछ कुकर्मी न करते, तो यह मुद्दा ही न बनता, सनातन अपमानित न होता और पप्पू यादव जैसे सांसद संसद भवन में ही नाटक न करते, लेकिन अब यह राजनीतिक, चुनावी मुद्दा बना दिया गया है। पप्पू यादव के ड्रामे में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, अयोध्या-फैजाबाद के सपा सांसद अवधेश प्रसाद, सपा सांसद डिंपल यादव आदि विपक्ष के कई चेहरे सम्मिलित थे। पप्पू नाटक कर रहे थे और चंदे के रुपए अपनी जेब में डाल रहे थे। चंदा चोरी का नाटकीय मंचन किया जा रहा था। उनके सहयोगी सांसदों ने 'प्रतीकात्मक' तौर पर उनकी पिटाई भी की। पप्पू चंदे की पेटी लेकर भागने लगे, तो उनसे वह पेटी छीनने का प्रयास भी किया गया। यकीनन इस नाटक ने कुछ हिंदूवादी संगठनों, साधु-संतों और सांसदों को भी आक्रोशित किया। साधु-संतों ने अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहरों में जुलूस निकाले, पप्पू के स्वांग की भत्र्सना की और प्राथमिकियां दर्ज कराई गईं। इनके नतीजतन पप्पू यादव के सरकारी आवास में घुस कर हमलावरों ने सांसद पर हमला किया। जूते-चप्पल उनकी ओर उछाले और टीवी चैनलों पर एक बड़ा-सा चाकू दिखाया गया। सांसद का कहना था कि हमलावर उन्हें मारने आए थे। आज जनता न होती, तो कुछ भी अनिष्ट हो सकता था। बहरहाल सांसद के समर्थकों ने हमलावर को पकड़ कर खूब धुनाई की। बहरहाल इस संदर्भ में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है, लिहाजा कानूनी कार्रवाई उसी पर छोड़ देनी चाहिए। कुछ टीवी एंकर व्यर्थ में उछल रहे हैं और अपना गला फाड़ रहे हैं। वे देश के कानून नहीं हैं। हमारी बुनियादी चिंता और सरोकार संसद के प्रति है। स्पीकर ने पप्पू यादव के स्वांग की निंदा की है। यही पर्याप्त नहीं है।

संसद परिसर में सांसद और राजनीतिक समूह विरोध-प्रदर्शन कर सकते हैं, धरने भी दिए जाते रहे हैं, लेकिन ऐसे ढोंग, नौटंकी पर उन्हें ही विचार करना चाहिए कि ये देशहित, जनहित और असंख्य आस्थाओं के पक्ष में है अथवा नहीं! बिहार से निर्दलीय सांसद (कांग्रेस समर्थक) पप्पू यादव ने संसद परिसर में जो कुछ भी किया, निश्चित रूप से वह सनातन-विरोधी था। प्रभु श्रीराम का अपमान भी था। मिथ्या, खोखले आरोपों का नाटकीय मंचन भी था। पप्पू यादव संसद भवन को 'राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय' का प्रतीक भी नहीं दे सकते। साधु-संतों ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदा-चढ़ावे की चोरी-डकैती की, ऐसा कोई साक्ष्य, आरोप या जांच-दल का निष्कर्ष नहीं है। इस मुद्दे पर संसद के भीतर विचारोत्तेजक, आरोपिया बहस की जानी चाहिए और मोदी सरकार-भाजपा को जवाब देने को बाध्य किया जाना चाहिए। पप्पू यादव का साधु-वेश धारण करना और चंदा-चोरी का प्रतीकात्मक अभिनय करना कमोबेश संसद भवन में नहीं किया जाना चाहिए था। पूर्णिया के लाखों लोगों ने उन्हें इसलिए निर्वाचित नहीं किया है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: चुनौतियों के बीच चमका भारत

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की नई उड़ान

राष्ट्रमंडल खेल केवल पदकों की प्रतियोगिता नहीं बल्कि किसी देश की खेल संस्कृति, प्रतिभा विकास, खेल विज्ञान, प्रशिक्षण व्यवस्था और दीर्घकालिक खेल नीति का दर्पण भी होते हैं। ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों का समापन भारत के लिए अनेक उपलब्धियों, कुछ अधूरी अपेक्षाओं और भविष्य की नई संभावनाओं के साथ हुआ। भारतीय दल ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस बार प्रतियोगिता के कार्यक्रम में निशानेबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, टेबल टेनिस इत्यादि भारत के कई पारंपरिक मजबूत खेल शामिल ही नहीं थे। इन खेलों में भारत सामान्यतः बड़ी संख्या में पदक जीतता रहा है। ऐसे में सीमित अवसरों के बावजूद चौथा स्थान बनाए रखना भारतीय खिलाड़ियों की क्षमता और जुझारूपन का प्रमाण है। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदक जीतकर एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे तथा कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्कॉटलैंड भी 39 पदकों के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रहा। भारत और स्कॉटलैंड के कुल पदक समान रहे लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या के आधार पर भारत चौथे स्थान पर रहा।

यदि पिछले राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन की तुलना करें तो एक दिलचस्प तस्वीर सामने आती है। वर्ष 2018 में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 26 स्वर्ण, 20 रजत और 20 कांस्य सहित कुल 66 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया था। उस प्रतियोगिता में निशानेबाजी ने अकेले 16 पदक दिलाकर भारत की सफलता में सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और कुश्ती में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। 2022 में इंग्लैंड के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य सहित कुल 61 पदक जीतकर चौथा स्थान प्राप्त किया था। तब कुश्ती में भारत के सभी 12 पहलवानों ने पदक जीतकर इतिहास रचा था जबकि भारोत्तोलन और टेबल टेनिस में भी भारतीय खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की थी। इन दोनों आयोजनों की तुलना में 2026 के ग्लासगो खेलों में भारत के कुल पदकों की संख्या घटकर 39 रह गई। पहली दृष्टि में यह गिरावट चिंताजनक लग सकती है किंतु यदि प्रतियोगिता के कार्यक्रम का विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि भारत के अनेक पदक संभावित खेल इस बार आयोजित ही नहीं किए गए। इसलिए केवल पदकों की संख्या के आधार पर प्रदर्शन का मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा। वास्तव में भारत ने उपलब्ध अवसरों का काफी प्रभावी उपयोग किया और जिन खेलों में उसने भाग लिया, उनमें उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। इस बार भारतीय मुक्केबाजों ने

राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ अभियान चलाया। भारत ने मुक्केबाजी में सात स्वर्ण और तीन रजत सहित कुल दस पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। महिला मुक्केबाजों ने विशेष रूप से प्रभावित किया। जैस्मीन लम्बोरिया, प्रिया घनघस, साक्षी चौधरी और प्रीति पवार जैसी युवा खिलाड़ियों ने यह संकेत दिया कि भारतीय महिला मुक्केबाजी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन स्वर्ण से भले चूक गई लेकिन उनका अनुभव और प्रदर्शन भारतीय मुक्केबाजी की मजबूती का प्रमाण बना रहा। पुरुष वर्ग में भी सचिन सिवाच और अंकुश सहित अन्य मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की पदक संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह सफलता दर्शाती है कि भारतीय मुक्केबाजी अब केवल कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रही बल्कि उसके पास प्रतिभाओं की व्यापक श्रृंखला तैयार हो चुकी है। भारोत्तोलन ने भी भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखी। पिछले एक दशक में इस खेल में भारतीय खिलाड़ियों ने निरंतर प्रगति की है। ग्लासगो में भी उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह साबित किया कि विश्व स्तर पर भारत अब एक मजबूत शक्ति बन चुका है। जूडो में भारतीय खिलाड़ियों ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया और कई महत्वपूर्ण पदक जीतकर यह संदेश दिया कि यह खेल भी भारत में तेजी से विकसित हो रहा है। हालांकि जूडो खिलाड़ी तूलिका मान का डोपिंग रोधी नियमों के अंतर्गत तीन बार 'वेयरअबाउट्स' संबंधी जानकारी देने में विफल रहने के कारण अस्थायी निलंबन और प्रतियोगिता से बाहर होना भारतीय दल के लिए एक बड़ा झटका था। यह घटना बताती है कि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में केवल खेल कौशल ही नहीं, डोपिंग रोधी नियमों के प्रति पूर्ण जागरूकता और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन इस बार विशेष चर्चा का विषय रहा। गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में नया अध्याय जोड़ते हुए 10,000 मीटर दौड़ में रजत और 5,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वे एक ही राष्ट्रमंडल खेल में ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। इससे पहले भारत को इन लंबी दूरी की स्पर्धाओं में कभी पदक नहीं मिला था। यह उपलब्धि भारतीय एथलेटिक्स के बदलते स्वरूप और वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रणाली की सफलता का संकेत देती है। पैरा खेलों में भी भारत ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित कुल सात पदक जीतकर नया इतिहास बनाया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राष्ट्रमंडल खेलों के पैरा वर्ग में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बराबर है। यदि भारतीय दल के प्रदर्शन का गहन विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि इस बार महिलाओं ने शानदार योगदान दिया। महिला खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण सहित कुल 16 पदक जीतकर भारतीय खेलों में बढ़ती महिला भागीदारी और उत्कृष्टता का परिचय दिया। दूसरी ओर पुरुष खिलाड़ियों ने कुल 23 पदक जीतकर संतुलित प्रदर्शन किया। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि 2026 का प्रदर्शन भारत के लिए संतोषजनक अवश्य है लेकिन ऐतिहासिक नहीं। वर्ष 2010 के नई दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल आज भी भारत के स्वर्णिम अध्याय बने हुए हैं, जब भारत ने 38 स्वर्ण सहित कुल 101 पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया था। घरेलू मैदान का लाभ अपनी जगह है लेकिन वह प्रदर्शन यह भी दर्शाता है कि यदि मजबूत खेल अवसंरचना, व्यापक खिलाड़ी आधार और सुव्यवस्थित तैयारी हो तो भारत शीर्ष देशों को कड़ी चुनौती देने की क्षमता रखता है। भारत की खेल यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष अब यह है कि देश अब कुछ चुनिंदा खेलों तक सीमित नहीं रह गया है। पहले भारत की अधिकांश सफलता निशानेबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन और भारोत्तोलन तक सीमित रहती थी जबकि अब मुक्केबाजी, जूडो, एथलेटिक्स और पैरा खेलों में भी लगातार नए खिलाड़ी उभर रहे हैं। यह परिवर्तन भारत की खेल नीति, खेलो इंडिया जैसी योजनाओं, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं, खेल विज्ञान, पोषण और खिलाड़ियों को मिलने वाले आर्थिक सहयोग का सकारात्मक परिणाम है। हालांकि अभी भी प्रतिभा पहचान, जमीनी स्तर पर कोचिंग, खेल चिकित्सा, मानसिक प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी अनुभव को और मजबूत करने की आवश्यकता बनी हुई है। अब भारतीय खेल जगत की निगाहें वर्ष 2030 पर टिक गई हैं, जब राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अहमदाबाद करेगा। यह केवल एक खेल आयोजन नहीं बल्कि भारत के लिए विश्व के सामने अपनी खेल क्षमता, आधुनिक अवसंरचना और संगठनात्मक दक्षता प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर होगा। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों ने भारत को यह विश्वास अवश्य दिलाया है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, भारतीय खिलाड़ी हर मंच पर देश का गौरव बढ़ाने का सामर्थ्य रखते हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन उपलब्धियों को अंतिम लक्ष्य न मानकर उन्हें ओलंपिक और वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जाए। जिन खेलों में भारत विश्वस्तरीय शक्ति बन चुका है, उन्हें और सशक्त किया जाए तथा एथलेटिक्स, तैराकी, जिम्नास्टिक और अन्य ओलंपिक खेलों में भी दीर्घकालिक निवेश बढ़ाया जाए।

भारतीय दल ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस बार प्रतियोगिता के कार्यक्रम में निशानेबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, टेबल टेनिस इत्यादि भारत के कई पारंपरिक मजबूत खेल शामिल ही नहीं थे। इन खेलों में भारत सामान्यतः बड़ी संख्या में पदक जीतता रहा है। ऐसे में सीमित अवसरों के बावजूद चौथा स्थान बनाए रखना भारतीय खिलाड़ियों की क्षमता और जुझारूपन का प्रमाण है। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदक जीतकर एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे तथा कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्कॉटलैंड भी 39 पदकों के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रहा। भारत और स्कॉटलैंड के कुल पदक समान रहे लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या के आधार पर भारत चौथे स्थान पर रहा।

देश दुनिया से

अब जेनेरिक दवाओं संबंधी नई चिंताएं

एक अगस्त से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका में आयातित जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने संबंधी नीति लागू की गई है। इस नीति के तहत 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2028 तक, यानी शुरुआती दो वर्षों के लिए, आयातित जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से पूरी तरह मुक्त रखा गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में दवा आपूर्ति में तुरंत कोई बाधा न आए। इसके पश्चात, 1 अगस्त 2028 से 31 जुलाई 2029 तक एक वर्ष के लिए दवाओं के मूल्य पर सीधे 100 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया जाएगा। अंततः 1 अगस्त 2029 के बाद इस टैरिफ को बढ़ाकर 200 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ट्रंप द्वारा जेनेरिक दवाओं पर इस कड़े टैरिफ ढांचे को लागू करने का मुख्य उद्देश्य विदेशी दवा कंपनियों को अमेरिका के भीतर निर्माण इकाइयां (मैन्युफैक्चरिंग प्लांट) स्थापित करने के लिए बाध्य करना है। जो दवा निर्माता दी गई इस समयावधि के भीतर अपना उत्पादन घरेलू स्तर पर अमेरिका में स्थानांतरित नहीं करेंगे, उन पर 200 प्रतिशत का भारी आर्थिक दंडस्वरूप टैरिफ लागू होगा। चूंकि भारतीय दवा उद्योग अमेरिकी बाजार का एक मुख्य आपूर्तिकर्ता है, इसलिए भारत पर इसका गहरा प्रभाव पडऩा स्वाभाविक है। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष 26 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, जिसे 1 अक्टूबर 2025 से लागू किया गया। ट्रंप के दवा टैरिफ के उस निर्णय का भारतीय फार्मा कंपनियों पर विशेष असर नहीं हुआ था। इसका प्रमुख कारण यह था कि भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली कुल दवाओं में पेटेंट या ब्रांडेड दवाओं का हिस्सा महज 5 प्रतिशत ही है। यह दवा टैरिफ उन कंपनियों पर लागू नहीं हुआ जो अमेरिका के भीतर ही दवा बनाने के लिए अपना प्लांट लगा रही हैं। ट्रंप ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि यदि किसी फार्मा कंपनी की रुचि अमेरिका में दवाओं के विनिर्माण में है या किसी कंपनी ने अमेरिका में अपना प्लांट लगाना शुरू

कर दिया है, तो उसे टैरिफ से पूर्ण छूट मिलेगी। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया की बड़ी फार्मा कंपनियों को अमेरिकी भूमि पर उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना है। इस फैसले का सबसे अधिक प्रभाव उन देशों पर पड़ा जिनकी फार्मा कंपनियां अमेरिका को बड़े पैमाने पर ब्रांडेड दवाओं का निर्यात करती हैं, जिनमें आयरलैंड, जर्मनी और स्विट्जरलैंड जैसे देश प्रमुख हैं। यहां ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाओं और जेनेरिक दवाओं के बीच का अंतर समझना अत्यंत आवश्यक है। ब्रांडेड दवाएं, यह मूल दवाएं होती हैं जिनकी खोज किसी फार्मा कंपनी ने लंबे शोध और अनुसंधान के बाद की होती है। इसे बनाने वाली कंपनी को एक तय अवधि (जो आमतौर पर 20 साल की होती है) के लिए एकाधिकार या पेटेंट अधिकार मिल जाता है। इस दौरान कोई भी दूसरी कंपनी उस फॉर्मूले का इस्तेमाल करके दवा नहीं बना सकती। जेनेरिक दवाएं, वे दवाएं होती हैं जो ब्रांडेड दवा का पेटेंट समाप्त होने के बाद बाजार में आती हैं। इन्हें ब्रांडेड दवा के समान फॉर्मूले का उपयोग करके ही बनाया जाता है। चूंकि जेनेरिक दवाओं का कोई नया पेटेंट नहीं होता और यह पूर्व-मौजूद फॉर्मूले पर आधारित होती हैं, इसलिए कंपनियों को शोध पर भारी-भरकम खर्च नहीं करना पड़ता। यही कारण है कि जेनेरिक दवाओं की कीमत ब्रांडेड दवाओं की तुलना में बेहद कम होती है। विशेष बात यह है कि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाएं निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है। वर्ष 2024-25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 10 अरब डॉलर की दवाइयां भेजीं, जो भारत के कुल वैश्विक दवा निर्यात का करीब एक-तिहाई से अधिक है। निश्चित रूप से, ट्रंप ने ब्रांडेड दवाओं के बाद अब जेनेरिक दवाओं पर भी टैरिफ लगाने का फैसला अमेरिका में घरेलू दवा उत्पादन को बढ़ाने के लिए लिया है। ट्रंप का यह कदम 'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक इन अमेरिका' की नीति का ही एक हिस्सा है। ट्रंप का यह भी मानना है कि दवाओं के लिए दूसरे देशों पर अत्यधिक निर्भर रहना अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। कोरोना महामारी के दौरान अमेरिका ने यह अनुभव किया है कि यदि दवाइयों की वैश्विक सप्लाई चेन टूटती है, तो देश में दवाओं की भीषण किल्लत हो सकती है। ऐसे में ट्रंप ने यह कदम अमेरिका की पूरी फार्मा सप्लाई चेन को सुरक्षित करने के उद्देश्य से उठाया है। ट्रंप द्वारा जेनेरिक दवाओं पर तुरंत टैरिफ न लगाकर दो वर्ष की छूट देने के पीछे कुछ विशेष कारण भी स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में डॉक्टर मरीजों के लिए जो प्रिस्क्रिप्शन लिखते हैं, उनमें से हर 10 में से करीब 4 दवाएं भारतीय कंपनियों द्वारा निर्मित जेनेरिक दवाएं होती हैं। जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं से 80 से 90 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं। यदि जेनेरिक दवाओं पर तुरंत 100 प्रतिशत या 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाता, तो अमेरिका में दवाओं की कीमतें रातों-रात आसमान छूने लगतीं। इससे आम अमेरिकी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अत्यधिक महंगी हो जातीं, जो सीधे तौर पर ट्रंप सरकार के लिए घरेलू असंतोष का कारण बन सकता था। वास्तव में, सस्ती भारतीय जेनेरिक दवाएं अमेरिकी अर्थव्यवस्था और वहां के स्वास्थ्य तंत्र के लिए लागत-बचत का एक प्रमुख जरिया हैं।

आप का नज़रिया

भाजपा को झटका

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा। वहीं इस जीत से प्रशांत किशोर के हौसले बुलंद हैं। वह देश के कई दिग्गज राजनेताओं के चुनाव अभियानों के सारथी रह चुके हैं। वे जनता के मिजाज को भांपने का हुनर भी जानते हैं। अब अपनी जीत से उत्साहित प्रशांत किशोर राज्य सरकार के खिलाफ अपना रुख और सख्त करेंगे। वे आने वाले समय में बिहार में जन सुराज पार्टी को तीसरे मोर्चे के तौर पर पेश करने की तैयारी में हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड के बीच असहज होता गठबंधन, पहले ही प्रशांत किशोर के लिये अनुकूल स्थितियां बना रहा है। राजनीतिक पंडित इन उप-चुनावों के परिणामों की अलग-अलग तरह से व्याख्या कर रहे हैं। दरअसल, बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की एक-एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव, नीट पेपर लीक और दूसरे मुद्दों को लेकर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों के बाद पहली चुनावी लड़ाई थी।

पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा।

कुछ अलग

पूर्णता और दरार

प्रकृति अपने आप में पूर्ण होते हुए भी कभी अपने किसी कार्य को पूर्णता प्रदान नहीं करती। उसने कभी पूर्ण वृक्ष नहीं बनाए। पूर्ण पर्वत नहीं बनाए। पूर्ण समुद्र नहीं बनाए। यहां तक कि पूर्ण ऋतुएं भी नहीं। हर ऋतु अपने भीतर अगली ऋतु का बीज छिपाकर चलती है। काल आगे बढ़ता है। पहाड़ बूढ़े होते हैं। नदियां अपने मार्ग बदलने के बावजूद सफर जारी रखती हैं। महाद्वीप टूटते हैं, जुड़ते हैं। हिमयुग आया। पिघला। स्मृति बन गया। वन उगे। सूखे। फिर उग आए। आकाश बदलता रहा। समुद्र बदलते रहे। केवल परिवर्तन अपरिवर्तनीय रहा। काल ने पहली बार समझा कि सृष्टि किसी भवन की तरह निर्मित नहीं हुई। वह किसी कविता की तरह लिखी गई है। और कविता कभी अंतिम नहीं होती। दार्शनिक कहते हैं- पूर्णता मनुष्य की सबसे पुरानी आकांक्षा है। प्रकृति की नहीं। प्रकृति केवल संतुलन चाहती है। संतुलन और पूर्णता में वही अंतर है जो श्वास और मूर्ति में होता है। मूर्ति पूर्ण दिखाई देती है। श्वास अपूर्ण। किन्तु जीवन हमेशा श्वास में बसता है। मूर्ति में नहीं। कई युगान्तरों के बाद मनुष्य ने इस कथा को अनेक रूपों में बुना, गाया और सुना। कहीं यह मिथक बनी। कहीं दर्शन। कहीं कविता। कहीं केवल एक लोककथा। किन्तु हर रूप में एक बात समान रही- पहली दरार किसी पत्थर की कमज़ोरी नहीं थी। वह सृष्टि की विनम्रता थी। वजह साफ थी कि जो स्वयं को पूर्ण मान लेता है, उसके भीतर परिवर्तन मर जाता है। और जहां परिवर्तन समाप्त होता है, वहां जीवन जीवन नहीं रहता। केवल स्मृति बनकर रह जाता है। काल ने उस दिन अपनी पहली टिप्पणी लिखी। किसी पत्थर पर नहीं। किसी पुस्तक में भी नहीं।

दृष्टि कोण

त्यागपत्र : खुशी मनाने का सबब

कुछ दिन पहले ही एक खबर, जिसे अत्यंत नकारात्मक तरीके से देखा जा रहा था, यह थी कि भारत के एक गौरवपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) के 100 से अधिक वैज्ञानिकों ने या तो संस्थान से त्यागपत्र दे दिया है अथवा समय से पूर्व सेवानिवृत्ति ले ली है। इस खबर से ऐसा लग रहा था कि शायद भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को इससे एक बड़ा झटका मिल सकता है। लेकिन वहीं एक निजी कंपनी द्वारा बिना कोई असफलता झेले अंतरिक्ष में अपना रॉकेट लॉन्च करने के बाद यह बात स्पष्ट हो रही है कि चाहे इसरो के वैज्ञानिक संस्थान से तो अलग हो रहे हैं, लेकिन वे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं हो रहे, बल्कि एक अन्य प्रकार से अपना जुड़ाव मजबूती से बनाए हुए हैं, और निजी क्षेत्र के माध्यम से देश के लिए सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं। जुलाई 18, 2026 को भारत की एक निजी अंतरिक्ष स्पेस कंपनी 'स्काईरूट एरोस्पेस' ने सफलतापूर्वक विक्रम-1 नाम के रॉकेट को लॉन्च करके इतिहास रच दिया। अब भारत अमरीका, चीन और जापान के बाद चौथा ऐसा देश बन गया है जिसकी किसी निजी कंपनी ने अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने में सफलता पाई है। विक्रम-1 की सफलता की खास बात यह है कि जहां बाकी देशों की निजी कंपनियों ने एक या एक से अधिक बार असफलता झेलने के बाद सफल लॉन्च कर पाई, स्काईरूट ने यह काम पहले ही प्रयास में कर दिया है। प्रारंभ में अत्यंत सामान्य शुरुआत से आगे बढ़ते हुए जिस प्रकार इसरो ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए, उससे इस क्षेत्र में भारतीय प्रतिभा की उत्कृष्टता विश्व में स्थापित हुई है। पीएसएलवी, मंगलयान, चंद्रयान और भविष्य में मानव को अंतरिक्ष में ले जाने की तैयारी के साथ पूर्णतया स्वदेशी गगनयान मिशन, नैविक (पूर्णतया स्वदेशी नेवीगेशन) और कृषि, आपदा प्रबंधन, जल संसाधन, शहरी नियोजन, मौसम पूर्वानुमान, और मत्सयन के लिए विश्व की सबसे बड़ी रिमोट सेंसिंग सेटेलाईट बनाने सहित इसरो की तमाम उपलब्धियों के

बाद भारत सरकार द्वारा ही यह सोचा समझा निर्णय लिया गया कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। प्रारंभ में जब भारत के पास अंतरिक्ष क्षमता नहीं थी और दुनिया के विकसित देश हमसे कहीं आगे थे, सरकारी मदद के बिना अंतरिक्ष क्षेत्र में आगे बढऩा इसलिए संभव नहीं था, क्योंकि दुनिया का कोई भी देश अपनी प्रौद्योगिकी भारत से साझा करने के लिए तैयार नहीं था। सरकारी मदद और हमारे वैज्ञानिकों की सूझबूझ और मेहनत से इसरो ने विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से देश का मस्तक ऊंचा किया। लेकिन अब यह महसूस किया जा रहा है कि अंतरिक्ष क्षेत्र के व्यवसायीकरण की अपार संभावनाएं हैं। पूर्व में भी जन संचार, मौसम विज्ञान एवं विभिन्न प्रकार के शोध में इसरो ने काफी काम किया है, लेकिन स्पेस एक्स एक्सिऑम, स्पेस, सेयरा स्पेस, एस्ट्रो कॉल, डी ऑरबिट सहित विश्व की कई निजी कंपनियों ने अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को अंजाम दिया है। यही नहीं इन कंपनियों का पूंजीगत मूल्यांकन उच्च स्तर पर हो रहा है। अकेले ऐलन मस्क की अमरीकी कंपनी 'स्पेस-एक्स' का पूंजीगत मूल्यांकन 1.6 खरब डालर तक पहुंच चुका है, जो भारत की जीडीपी का लगभग 38 प्रतिशत है। ऐसे में इन बड़ी स्पेस कंपनियों को टक्कर देने हेतु भारत को भी अपनी तैयारी करनी होगी। भारत में 'स्टार्टअप इको सिस्टम' ने पिछले लगभग 12 सालों में खासी तेजी से प्रगति की है, और इसी क्रम में अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी नए स्टार्टअप उभरे हैं।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया-ए महिला टीम घोषित टायला व्लेमिंक और डार्सी ब्राउन की वापसी

नई दिल्ली

अगले महीने भारत दौरे पर आने वाली ऑस्ट्रेलिया-ए महिला क्रिकेट टीम की मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। अनुभवी तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक और डार्सी ब्राउन टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगी। यह दौरा तीन सप्ताह तक चलेगा, जिसमें दोनों टीमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक चार दिवसीय मुकाबला खेलेंगी।

भारत दौरे के दौरान तीनों टी20 मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मैच मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में होंगे, जबकि चार दिवसीय मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

इस दौरे के साथ 27 वर्षीय तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगी। चोटों से लगातार जूझने के कारण उनका करियर काफी प्रभावित रहा है। उन्होंने अप्रैल में ग्रीन बनाम गोल्ड अभ्यास मैच के जरिए वापसी की थी, जो 2024 टी20 विश्व कप में कंधे की गंभीर चोट के बाद उनका पहला मुकाबला था। इस वर्ष अप्रैल में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने लगातार चोटों के चलते उनका केंद्रीय अनुबंध भी समाप्त कर दिया था।

वहीं, डार्सी ब्राउन को टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिली थी। उनकी अनुपस्थिति में बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन ने टीम में अपनी जगह मजबूत कर ली थी। अब ब्राउन को ऑस्ट्रेलिया-ए टीम के जरिए फिर से खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, 'टायला को फिर से हरे और सुनहरे रंग की जर्सी में देखना और डार्सी की वापसी हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव है और युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में खेलने और मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को परखने का बेहतरीन अवसर है। करियर के शुरुआती दौर में भारतीय परिस्थितियों का अनुभव भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होता है। एकदिवसीय श्रृंखला में ताहलिया विल्सन टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि निकोल फाल्टम टी20 टीम और रेचल ट्रेनामैन चार दिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया-ए की कप्तान होंगी। टीम के आधे से अधिक खिलाड़ी 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हैं, जिनमें 21 वर्षीय ऑलराउंडर फ्रैंकी निकलिन और सियाना जिंजर भी शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीपीएल 2026: ट्रॉफी जीतने के लिए हर खिलाड़ी का योगदान जरूरी : यश धुल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ 210 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान यश धुल ने टीम के सामूहिक प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी टीम को चैंपियन बनने के लिए अलग-अलग मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान जरूरी होता है। यश धुल ने कहा, 'हमारे लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि हर मैच में कोई न कोई नया खिलाड़ी आगे आकर जिम्मेदारी निभा रहा है। पिछले मैच में वंश बेदी ने शानदार प्रदर्शन किया था, जबकि जोंटी सिद्धू और आदित्य भंडारी ने बेहतरीन पारियां खेलीं। इससे पूरी टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है कि हम किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकते हैं। ट्रॉफी जीतने के लिए अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान जरूरी होता है। उन्होंने जोंटी सिद्धू और आदित्य भंडारी की मैच जिताऊ साझेदारी की भी जमकर तारीफ की। धुल ने कहा, 'जोंटी और आदित्य के बीच हुई साझेदारी बेहद अहम रही। हमने पिछले सीजन से ही जोंटी पर भरोसा जताया है और उन्होंने शानदार परिपक्वता दिखाई। शुरुआती विकेट गिरने के बाद उन्होंने पारी को बेहतरीन तरीके से संभाला। युवा खिलाड़ियों को उनकी बल्लेबाजी से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। मैच के हीरो रहे जोंटी सिद्धू ने कहा कि बड़ी रन-चेज़ के दौरान शांत रहना उनकी सफलता की सबसे बड़ी वजह रही। उन्होंने कहा, मेरी योजना पूरे रन चेज़ के दौरान शांत रहने की थी। बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय अगर आप जल्दबाजी करते हैं तो मुश्किलें बढ़ जाती हैं। मैं लगातार आदित्य भंडारी से कह रहा था कि हमें हर ओवर में सिर्फ एक-दो चौकों की जरूरत है। अगर हम धैर्य बनाए रखेंगे तो मैच हमारे पक्ष में आ जाएगा। खुशी है कि हमारी योजना सफल रही। जोंटी ने बताया कि टीम को पहले 200 से अधिक रन का सफल पीछा करने का अनुभव था, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ था। उन्होंने कहा, 'ड्रेसिंग रूम में ज्यादा चर्चा नहीं हुई क्योंकि हम इससे पहले भी 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल कर चुके थे। हमें पूरा विश्वास था कि अगर हम अपनी प्रक्रिया पर कायम रहे तो दोबारा भी ऐसा कर सकते हैं।

पाकिस्तान ने बल्लेबाजी कोच बदला, दक्षिण अफ्रीका के माइक स्मिथ को सौंपी जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और अनुभवी कोच माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टेस्ट टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त करने का फैसला किया है। वह असद शफीक की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पीसीबी इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले इस नियुक्ति की औपचारिक घोषणा कर सकता है। बताया जा रहा है कि बोर्ड द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाने के बाद माइक स्मिथ का चयन किया गया और वह इंग्लैंड दौरे से टीम के साथ जुड़ेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, असद शफीक के बल्लेबाजी कोच के रूप में कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे थे, क्योंकि वह एक साथ पुरुष और महिला चयन समिति के सदस्य होने के अलावा कराची स्थित पीसीबी अकादमी के प्रमुख की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कोच की भूमिका पर पूरा ध्यान नहीं दे पाने की आलोचना हो रही थी। पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तान ने बल्लेबाजी कोच के पद पर कई बदलाव किए हैं।

शफीक के शतक और बाबर के अर्धशतक से पाकिस्तान ने पहली पारी में बनाये 266/2

जमैका। अब्दुला शफीक की शतकीय पारी के साथ ही कप्तान बाबर आजम व युवा अजान ओवैस के अर्धशतकों की सहायता से पाकिस्तान ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अच्छी वापसी की है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पर पाक ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 266 रन बना लिए। खेल समाप्त होने के समय शफीक 107 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि बाबर आजम ने 86 रन बनाये थे। इस प्रकार पाक टीम अब वेस्टइंडीज के 344 रनों के स्कोर से केवल 78 रन ही पीछे है। अजान ओवैस और इमाम उल हक ने पाक की दूसरी पारी की शुरुआत की। इमाम बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 14 रन ही बना पाये। इसके बाद युवा सलामी बल्लेबाज अजान ओवैस ने 71 गेंदों में 55 रन बना दिये। अजान के आउट होने के बाद, अब्दुला शफीक और बाबर आजम ने तेजी से रन बनाये। दोनों ने मिलकर एक अच्छी साझेदारी बनाई, जिसने पाक को मैच में आगे बढ़ने का अवसर मिल गया।

जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु

आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियों को उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी। हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी। इन आठ मुकाबलों में से पांच मैच मलेशियाई अंडर-21 टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिलाफ खेलेगी, जबकि शेष तीन मुकाबले साई टीम के साथ होंगे। यह दौरा निश्चित रूप से दोनों टीमों के युवा खिलाड़ियों के लिए एक अमूल्य सीखने का अनुभव साबित होगा और उन्हें आगामी जूनियर एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार करेगा।

अकीब से पहले जम्मू-कश्मीर के रसूल और उमरान ने बनायी थी भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। जसप्रीत बुमराह के बाहर होने से अब 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरु हो रही टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी जम्मू-कश्मीर के पहले क्रिकेटर नहीं हैं। अकीब राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने वाले राज्य के तीसरे क्रिकेटर हैं। जम्मू-कश्मीर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले पहले खिलाड़ी परवेज रसूल थे, जिन्होंने 2014 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। रसूल मीरपुर में अपने पहले एकदिवसीय मैच में दो विकेट लेने में सफल रहे थे। हालांकि, उनका अंतरराष्ट्रीय करियर छोटा रह रहा और भारत के लिए उन्होंने केवल दो मैच एक एकदिवसीय और एक टी20 खेले। जनवरी 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ कानपुर में उन्होंने अपना एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जिसमें एक विकेट हासिल किया। 37 वर्षीय परवेज अब संन्यास ले चुके हैं और वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु सहित तीन टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाले जम्मू-कश्मीर के भी पहले खिलाड़ी थे, जहां उन्होंने कुल 11 मैच खेले। परवेज के बाद, उमरान मलिक जम्मू-कश्मीर से टीम इंडिया में जगह बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। उन्होंने जून 2022 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और कुल 18 अंतरराष्ट्रीय मैचों (10 वनडे, 8 टी20) में 24 विकेट लिए। उमरान ने आईपीएल 2022 में 157 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर भारतीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया था, जो आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा फेंकी गई सबसे तेज गेंद है। हालांकि, जुलाई 2023 के बाद से वह भारत के लिए कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। कूल्हे की चोट के कारण लगभग डेढ़ साल तक क्रिकेट से दूर रहने और अपनी रफ्तार में कुछ कमी आने के बावजूद, 26 वर्षीय उमरान अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की उम्मीद पाले हुए हैं। उन्होंने आईपीएल में 26 मैचों में 29 विकेट हासिल किए हैं।

केंद्रीय खेलमंत्री मंडाविया ने अनाहत सिंह और जूनियर स्क्वैश टीम को किया सम्मानित

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ियों और टीम का सम्मान किया। इस दौरान महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनाहत सिंह तथा कांस्य पदक विजेता भारतीय जूनियर पुरुष टीम के सदस्य आर्यवीर देवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह को सम्मानित किया गया।

18 वर्षीय अनाहत सिंह ने पिछले सप्ताह कनाडा में आयोजित विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में महिला एकल का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतियोगिता में विश्व जूनियर महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। यह उनका इस प्रतियोगिता में पांचवां अभियान था और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दूसरा पदक भी। इससे पहले उन्होंने 2025 में काहिरा में कांस्य पदक जीता था। सम्मान समारोह के दौरान खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए डॉ. मंडाविया ने उन्हें हालिया सफलता को लंबे सफर की शुरुआत मानने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ियों का अगला लक्ष्य एशियाई खेल 2026 और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 होना चाहिए। अनाहत सिंह की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए डॉ. मंडाविया ने कहा कि उनका स्वर्ण पदक देश के लाखों युवाओं को स्क्वैश अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर अनाहत सिंह ने खेल मंत्री को अपने हस्ताक्षर वाला स्क्वैश रैकेट और स्क्वैश बॉल भेंट की। समारोह के दौरान खिलाड़ियों ने डॉ. मंडाविया के साथ सेल्फी भी ली और अनौपचारिक बातचीत की, जिससे कार्यक्रम का माहौल आत्मीय और उत्साहपूर्ण बन गया।

अनुज और अबु बने चैंपियन, आराध्या ने जीते दो खिताब

इंदौर। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन की तृतीय जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में अनुज सोनी, अबु बकर और आराध्या राजपूत ने खिताबी सफलता हासिल की। पुरुष एकल में अनुज चैंपियन बने, जबकि अबु बकर ने बालक अंडर-19 और आराध्या ने महिला एकल व बालिका अंडर-19 वर्ग में दोहरा खिताब जीता। अभय प्रशाल स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित स्पर्धा के पुरुष एकल फाइनल में अनुज सोनी ने पंकज विश्वकर्मा को 3-1 से पराजित किया। सेमीफाइनल में अनुज ने कार्तिकेय कौशिक को 3-2 और पंकज ने अबु बकर को 4-0 से हराया। महिला एकल फाइनल में आराध्या राजपूत ने हिया पटेल को 4-1 से शिकस्त दी। बालिका अंडर-19 वर्ग के फाइनल में भी आराध्या ने हिया को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में हिया ने भाग्यश्री दवे को 3-0 और आराध्या ने अक्षिता मित्तल को 3-0 से पराजित किया। बालक अंडर-19 वर्ग के फाइनल में अबु बकर ने रिदम गढ़िया को 3-1 से मात देकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में अबु ने रक्षत चावड़ा और रिदम ने अभि जैन को समान स्कोर 3-1 से हराया।

फील्डिंग कोच टी दिलीप को रोहित ने असली हीरो करार दिया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा फील्डिंग कोच टी दिलीप की विदाई पर भावुक हो गये। रोहित ने दिलीप को असली हीरो करार दिया है। दिलीप का भारतीय टीम के साथ पांच साल का अनुबंध समाप्त हो गया है। ऐसे में उन्हें फील्डिंग कोच का पद छोड़ना पड़ा है। उनकी विदाई के दौरान खिलाड़ी भी भावुक हो गये और सभी ने उनकी प्रशंसा की। दिलीप ने टीम के साथ अपने कार्यकाल के दौरान खिलाड़ियों के फील्डिंग कौशल को निखारने में अहम भूमिका निभाई और ड्रेसिंग रूम में एक अच्छा माहौल भी बनाए रखा।

रोहित ने सोशल मीडिया में दिलीप के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आप एक लीजेंड हैं। आपने ग्रुप के अंदर जादू भर दिया और आप पर्दे के पीछे मेहनत करने वाले असली हीरो हैं। आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं।' रोहित के ये शब्द उनकी दोस्ती की गहराई और टीम में दिलीप के योगदान के प्रति उनके प्रति सम्मान को दिखाते हैं। दिलीप एक कोच के साथ ही ड्रेसिंग रूम में उत्साह और सकारात्मकता का संचार करने वाले एक महत्वपूर्ण सदस्य भी थे।

गौरतलब है कि दिलीप साल 2021 में भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ से जुड़े थे और उन्होंने तब से लेकर 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंत तक अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने पहले राहुल द्रविड़ और उसके बाद गौतम गंभीर दोनों के कार्यकाल के दौरान भारत के फील्डिंग कोच के रूप में काम किया। उनका अनुबंध् कई बार बढ़ाया गया, जिससे अंदाज होता है कि वह टीम के लिए उनके महत्व पूर्व रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम की फील्डिंग में काफी सुधार देखा गया, जिसने कई महत्वपूर्ण मैचों में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

टीम इंडिया से विदाई के बाद, टी दिलीप ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने बीसीसीआई और टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'पांच साल के उस सफर के लिए सही शब्द ढूंढना मुश्किल है जो मेरे लिए इतनी मायने रखती है। मुझे इस टीम के सफर का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए में बोर्ड का अभारी हूंहै।

राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत

खिलाड़ियों ने जताया आभार

नई दिल्ली

राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर चौथे स्थान पर रहा भारतीय दल स्वदेश पहुंच गया। टीम का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पहुंचने पर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों के साथ ही खेल अधिकारी और समर्थक ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे।

वहीं इस सम्मान से अभिभूत खिलाड़ियों ने इस सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और वे आगे भी देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने एतिहासिक प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इन खेलों के 96 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। ये देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सभी सहयोगी संस्थाओं को दिया है।

इस दौरान स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जतायी। उन्होंने भारत सरकार, मुक्केबाज फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और बेहतर प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया। साक्षी ने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

वहीं मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन और देश लौटने पर मिले सम्मान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग को खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। इसके अलावा एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। दूसरे ओर पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि वे एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने अपनी जीत को पूरे देश, भारतीय सेना और सभी सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने भी एशियाई खेलों को अपना अगला लक्ष्य बताया।

दादा जे.पी. वासवानी की 108वीं जयंती पर विश्व क्षमा दिवस मनाया गया

पुणे, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूज्य दादा जे.पी. वासवानी की 108वीं जयंती के अवसर पर ग्लोबल फॉरगिवनेस डे (विश्व क्षमा दिवस) श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सप्ताहभर चले विविध कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों लोगों ने उनके क्षमा, करुणा और शांति के चिरंतन संदेश को नमन किया। इस दौरान विश्वभर के हजारों लोगों ने 'मोमेंट ऑफ़ काल्म' के अंतर्गत दो मिनट का विराम लेकर आत्मचिंतन किया तथा क्षमा का संकल्प लिया।

जनसंपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी ने बताया कि पुणे स्थित साधु वासवानी मिशन के मुख्यालय में जयंती के उपलक्ष्य में पूरे दिन विविध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सत्संग, भजन-कीर्तन, 108 हवन, विभिन्न सेवा गतिविधियों तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। मिशन की वैश्विक प्रमुख दीदी कृष्णाकुमारीजी के प्रेरणादायी प्रवचन ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की।पूज्य दादा जे.पी. वासवानी के जन्म-समय का स्मरण करते हुए उपस्थित सभी लोगों ने 'मोमेंट ऑफ़ काल्म' का पालन किया। उनके शांतिमय विश्व के स्वप्न से प्रेरित यह क्षमा अभियान इस वर्ष भी उनके कालजयी संदेश को और अधिक व्यापक बनाने में सफल रहा।इस वर्ष अभियान के अंतर्गत 'पीस पोर्टल' नामक निःशुल्क डिजिटल मंच का शुभारंभ किया गया। इस पोर्टल पर उपलब्ध मार्गदर्शित दो मिनट के रीसेट्स के माध्यम से लोगों को तनाव, क्रोध और अत्यधिक विचारों जैसे दैनिक मानसिक बोझ से मुक्त होने में सहायता प्रदान की गई।अभियान के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, उद्योग संस्थानों तथा विभिन्न समुदायों में ग्रुप रीसेट सेशन्स आयोजित किए गए। एचएसएनसी विश्वविद्यालय सहित 200 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों ने इस पहल में सक्रिय सहभागिता की। अनेक अग्रणी कॉर्पोरेट संस्थानों ने भी अभियान का उत्साहपूर्वक समर्थन किया।सिंघानी ने बताया कि इस अभियान को वैश्विक स्तर पर अनेक सहयोगी संस्थाओं तथा विभिन्न आध्यात्मिक संगठनों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। इस आंदोलन को महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मान्यता भी मिली, जब अमेरिका के यूएस वर्जिन आइलैंड्स के गवर्नर अल्बर्ट ब्रायन जूनियर ने 2 अगस्त को आधिकारिक रूप से 'विश्व क्षमा दिवस' घोषित किया।सप्ताहभर चले इस उत्सव का प्रमुख आकर्षण सुप्रसिद्ध भक्ति गायक अंकित बत्रा का कीर्तन जैमिंग सत्र रहा। वहीं, दीदी कृष्णाकुमारीजी ने 'मास्टर योर माइंड' विषय पर अपने लाइव प्रवचन में मन को उच्च मूल्यों से जोड़कर रखने तथा उसके भटकने पर प्रेमपूर्वक पुनः सही दिशा में ले आने का मार्गदर्शन दिया। साधु वासवानी मिशन की परंपरा के अनुसार सेवा के बिना कोई भी उत्सव पूर्ण नहीं माना जाता। इसी भावना के अनुरूप जयंती के अवसर पर विविध सेवा गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। कृत्रिम अंग वितरण सेवा के अंतर्गत 25 लाभार्थियों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त विभिन्न चिकित्सा एवं प्रयोगशाला जांचों पर विशेष रियायतें भी उपलब्ध कराई गईं।संगीत, ध्यान, प्रौद्योगिकी और सामूहिक सहभागिता के प्रभावशाली समन्वय के माध्यम से पूज्य दादा जे.पी. वासवानी की 108वीं जयंती ने एक बार फिर उनके इस शाश्वत संदेश को पुनर्स्थापित किया कि स्थायी शांति का मार्ग क्षमा से ही प्रारंभ होता है।

सूत्रधार साहित्यिक संस्था की 80वीं मासिक ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद (भारत) द्वारा 80वीं मासिक ऑनलाइन गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गोष्ठी का आयोजन दो सत्रों में किया गया।

प्रथम सत्र का शुभारंभ तृप्ति मिश्रा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात अध्यक्ष सरिता सुराणा ने उपस्थित सभी साहित्यकारों का शब्द-पुष्पों से स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए संस्था द्वारा संचालित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी।सरिता सुराणा ने बताया कि संस्था की साहित्यिक श्रृंखला 'साहित्यकार को जानें' के अंतर्गत अब तक 62 पूर्ववर्ती साहित्यकारों के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं रचना-संसार पर परिचर्चाएँ आयोजित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अब इस श्रृंखला के नए चरण में समकालीन साहित्यकारों की रचनात्मक यात्रा से परिचित कराया जाएगा। इस नई पहल के प्रथम वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध नाटककार एवं कवि सुहास भटनागर ने अपने साहित्यिक जीवन के अनुभव साझा किए।अपने उद्बोधन में सुहास भटनागर ने कहा कि ''सृजन एक पीड़ादायक प्रक्रिया है। जब मैं अपनी पीड़ा को शब्दों में कह नहीं पाता, तब उसे लिखकर अभिव्यक्त करता हूँ।'' उन्होंने बताया कि उनकी साहित्यिक यात्रा कविता से प्रारंभ हुई, उसके बाद उन्होंने कहानियाँ लिखीं। 'हस्ताक्षर' कविता से आरंभ हुआ उनका रचनात्मक सफर 'कथा हस्तिनापुर की' तक पहुँचा। इसके बाद उन्होंने नाटक लेखन एवं निर्देशन को अपनाया तथा उनके अनेक नाटकों का सफल मंचन भी हो चुका है।उपस्थित सभी साहित्यकारों ने संस्था की इस नई पहल की सराहना करते हुए सुहास भटनागर को शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं का प्रभावी पाठ किया।सिलीगुड़ी से बबीता अग्रवाल कंवल ने सावन पर आधारित मनमोहक ग़ज़ल प्रस्तुत की, जबकि भारती बजाज बिहानी ने भावपूर्ण रचना सुनाई। वरिष्ठ गीतकार विनीता शर्मा ने ''उड़ता हुआ धुआँ हूँ'' गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।हैदराबाद से गजानन पाण्डेय, हर्षलता दुधोड़िया, अंशु श्री सक्सेना, बिनोद गिरि 'अनोखा', अशोक दोशी, के. कुमार प्रसन्ना, दर्शन सिंह तथा तृप्ति मिश्रा ने सावन, भगवान शिव एवं समसामयिक विषयों पर अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।कटक (उड़ीसा) से रिमझिम झा ने भगवान भोलेनाथ पर आधारित स्तुति प्रस्तुत की, जबकि कोलकाता से सुशीला सुराणा ने छात्र आंदोलन पर आधारित रचना का पाठ किया। मुंबई से नवल किशोर अग्रवाल ने समसामयिक विषयों पर आधारित रचना सुनाई तथा पुणे से वरिष्ठ साहित्यकार अजय कुमार सिन्हा ने अपनी क्षणिकाओं का पाठ किया। आर्या झा ने अपनी रचना ''बरसे हो आज तुम जो बरसात की तरह'' प्रस्तुत कर सराहना प्राप्त की।अंत में अध्यक्षीय टिप्पणी देते हुए, सरिता सुराणा ने सभी प्रतिभागियों की रचनाओं की सराहना करते हुए कहा कि गोष्ठी के दोनों सत्र विषय-वस्तु और प्रस्तुति की दृष्टि से अत्यंत विविधतापूर्ण एवं सफल रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्था भविष्य में भी साहित्य के क्षेत्र में ऐसे नवीन प्रयोग करती रहेगी।इस अवसर पर उन्होंने संस्था के दिवंगत सदस्य संतोष कुमार रजा को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनकी स्मृति में अपनी भावपूर्ण रचना ''तिथियाँ आती रहेंगी, जाती रहेंगी, कैलेंडर बदलते रहेंगे, साल दर साल...'' प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में 'तेलंगाना समाचार' के संपादक के. राजन्ना ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। द्वितीय सत्र का सफल संचालन आर्या झा ने किया तथा अंत में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एआई से निर्मित फिल्म 'वनमोहिनी' का पोस्टर एवं टीज़र लॉन्च

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बशीरबाग स्थित प्रेस क्लब में सोमवार को शंकर भगवान ह्यूमिनिटी ट्रस्ट के संस्थापक, फिल्म निर्माता एवं निर्देशक शंकर भगवान ऋषि द्वारा निर्मित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फिल्म 'वनमोहिनी' का पोस्टर एवं टीज़र मुख्य अतिथि प्रमुख गौरक्षक एवं राष्ट्रीय वानर सेना के राष्ट्रीय गौरक्षा अध्यक्ष श्रीराम कुमार जोशी, प्रमुख समाजसेवी पेरिका श्रीनिवास तथा 'वनमोहिनी' फिल्म की टीम द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया।

निर्देशक शंकर भगवान ऋषि ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से निर्मित यह फिल्म जल्द ही हिंदी, तेलुगु और अंग्रेज़ी भाषाओं में एक साथ प्रदर्शित की जाएगी। उन्होंने बताया कि फिल्म का लगभग 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि यह फिल्म समाज में महिलाओं के महत्व, सम्मान और उनके योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। लगभग ढाई घंटे की अवधि वाली यह फिल्म एआई तकनीक के माध्यम से तैयार की जा रही है, जिसे उन्होंने इस क्षेत्र में एक अनूठा और अभिनव प्रयास बताया।

शंकर भगवान ऋषि ने कहा कि यह फिल्म पूर्णतः समाजोपयोगी है। उन्होंने सभी लोगों से फिल्म देखने और दूसरों को भी देखने के लिए प्रेरित करने की अपील करते हुए बताया कि फिल्म से होने वाली आय को अनाथालयों के उत्थान एवं जनकल्याण के कार्यों में व्यय किया जाएगा।

कार्यक्रम में प्राची जैन (भाजपा महिला मोर्चा), पंडित धर्मेंद्र तिवारी, सिने अभिनेता जलधारी किरण कुमार, अनिकेत जोशी, गम्पा नागराज, गोट्टीपति भवानी राव, सेरी पसाला सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं फिल्म जगत से जुड़े लोग उपस्थित थे।

हरियाली तीज पर सजेगा सांस्कृतिक उत्सव, हरियाली क्वीन सहित कई प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

भोपाल, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मध्य प्रदेश अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा एवं मध्य प्रदेश अखिल भारतीय अग्रवाल महिला मंडल की मासिक बैठक मंगलवार को स्थानीय नेहरू पार्क में आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। विशेष रूप से हरियाली तीज महोत्सव को उत्साह, उल्लास एवं पारंपरिक स्वरूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

मध्य प्रदेश अध्यक्ष भारती अग्रवाल ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर महिला मंडल द्वारा हरियाली क्वीन (जूनियर एवं सीनियर), पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता, पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में अग्रवाल समाज की महिलाएँ वर्षों से हरियाली तीज का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाती आ रही हैं। इस वर्ष भी प्रदेशभर की सभी इकाइयों में तीज महोत्सव को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। बैठक में समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही महिला सहभागिता को बढ़ावा देने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा हुई।

बैठक में भारती अग्रवाल, अनीता गुप्ता, निरुपमा अग्रवाल, आशा अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, रीता अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, ऊर्जा अग्रवाल सहित महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

प्रेमिया अकादमी ने की योलो समिट की घोषणा

भविष्य के लिए तैयार युवाओं का दो दिवसीय कार्यक्रम

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेमिया अकादमी 7 और 8 अगस्त 2026 को आईआईटी हैदराबाद में अपने प्रमुख योलो समिट का तीसरा संस्करण आयोजित करने जा रही है। कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार यह दो दिवसीय कार्यक्रम तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी, कैरियर के अवसरों और एआई के युग में युवाओं को ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

आईआईटी हैदराबाद के परिसर में आयोजित होने वाले इस समिट में कीनोट मास्टरक्लास, इंटरैक्टिव वर्कशॉप, नेटवर्किंग सत्र और अनुभव आधारित शिक्षा के अवसर शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा की पढ़ाई और वास्तविक दुनिया के बीच की खाई को पाटना है।समिट में 'विजन बोर्ड टू एक्शन प्लान', 'ब्रेन ब्लूचिप इन्वेस्टमेंट', 'एल्गोरिदम बनाम ऑथेंटिसिटी: एआई के युग में ह्यूमन प्रीमियम' तथा जेन-जेड गाइड जैसे सत्र शामिल हैं। उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता, उभरती तकनीक, नेतृत्व, संचार और भविष्य के कैरियर की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रेमिया अकादमी की प्रधानाचार्या सुश्री तृप्ति राव ने कहा कि आज शिक्षा को किताबों और परीक्षाओं से आगे बढ़कर छात्रों को वास्तविक दुनिया से जोड़ना होगा। संस्था की संस्थापक सुश्री सिंदुरी रेड्डी ने कहा कि योलो समिट छात्रों को भविष्य के बारे में सिर्फ जानने नहीं, बल्कि उसे डिजाइन करने का मंच प्रदान करता है।पंजीकरण अब खुले हैं। इच्छुक छात्र अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए संपर्क कर सकते हैं।

अगले 24 घंटों में तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को अगले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना के जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा और सूर्यापेट जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया।

मौसम केंद्र ने दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा कि अगले सात दिनों के दौरान राज्य में अनेक स्थानों, कुछ स्थानों तथा अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या फिर गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसी अवधि में तेलंगाना के सभी जिलों में कहीं-कहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही तेज हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून तेलंगाना में सक्रिय है। पिछले 24 घंटों के दौरान भद्राद्री कोठागुडेम और कामारेड्डी जिलों में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई।पिछले 24 घंटों के दौरान कामारेड्डी में कुछ जगहों पर और जयशंकर भूपालपल्ली, जोगुलम्बा गडवाल, करीमनगर, खम्मम, मेडचल-मलकजगिरी, महबूबाबाद, महबूबनगर, राजन्ना सिरसिल्ला, रंगारेड्डी, सूर्यपेट, विकाराबाद, वनपर्थी और यदाद्री भुवनगिरी जिलों में कुछ जगहों पर तेज बारिश हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेलंगाना में अधिकतर जगहों पर बारिश दर्ज की गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

स्टालिन...

एक बार उन्होंने चेंगलपट्टू न्यायालय में पत्नी द्वारा पति को ढूंढने की कहानी का जिक्र किया, जिसे विजय की पत्नी संगीता सोरनलिंगम की तलाक याचिका से जोड़ा गया। विजय ने भी जवाबी कटाक्ष किए। लेकिन तृषा वाली टिप्पणी ने रेखा पार कर दी।

इस बार समीकरण अलग हैं। पहले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सत्ता में थी और उदयनिधि के पिता ही मुख्यमंत्री थे। अब तमिलनाडु में विजय मुख्यमंत्री हैं और उदयनिधि विपक्ष के नेता की भूमिका में हैं। ऐसे में राजनीतिक शक्ति संतुलन बदल चुका है। यही वजह है कि जिस तरह की बयानबाजी पहले केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहती थी, उस पर अब कानूनी कार्रवाई भी देखने को मिली। फिल्मी छवि वाले विजय ने तमिलगम वेतरी कड़गम के जरिए नई राजनीति का प्रारूप पेश किया। स्टालिन परिवार की तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले उदयनिधि शायद इस बदलाव को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पा रहे थे। बड़बोले बयान और व्यक्तिगत हमले उनकी शैली का हिस्सा रहे, लेकिन सत्ता पक्ष अब जवाब देने को तैयार है।

विजय ने उदयनिधि को गिरफ्तार करवाकर एक मजबूत संदेश दिया है कि नई सरकार कमजोर नहीं है। चाहे कावेरी का पानी हो, किसानों के मुद्दे हों या व्यक्तिगत गरिमा, जरूरत पड़ने पर सरकार कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी।

उदयनिधि को पूछताछ के बाद मिली जमानत

तमिलनाडु विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेता उदयनिधि स्टालिन को तंजावुर के सेंगीपट्टी पुलिस थाने से पूछताछ के बाद जमानत मिल गई है। थाने से बाहर आते ही वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। पुलिस ने उन्हें अभिनेत्री तृषा से जुड़े विवादित बयान के मामले में गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस उन्हें तंजावुर दक्षिण पुलिस थाने ले जा रही थी, लेकिन थाने के बाहर समर्थकों की भारी भीड़ जमा होने के बाद पुलिस उदयनिधि को लगभग 21 किलोमीटर दूर सेंगीपट्टी पुलिस थाने ले गई। इस दौरान पुलिस थाने पहुंचने पर उदयनिधि ने वाहन से बाहर निकलने से इनकार कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि सेंगीपट्टी वह पुलिस थाना नहीं है, जिसका उल्लेख अदालत के समक्ष किया गया था।

थाने के बाहर समर्थकों का जमकर हंगामा

हालांकि, बाद में वह पुलिस के साथ वैन से बाहर आ गए और पुलिस की टीम ने उनसे पूछताछ की और इसके बाद उन्हें जमानत मिल गई। वहीं, पुलिस पूछताछ के दौरान बड़ी संख्या में थाने के बाहर एकत्र हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन और धक्का-मुक्की के दौरान कुछ समर्थक घायल हो गए। पुलिस ने थाने के बाहर पहुंचे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम समर्थकों को देखते हुए पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

इसी बीच द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सांसद तिरुचि शिवा ने पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में आलोचना बर्दाश्त नहीं की जाती। आलोचना के प्रति असहिष्णुता है। जब मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन मुख्यमंत्री थे, तब उनकी अत्यधिक आलोचना हुई, लेकिन हमने इसे बर्दाश्त किया।

वहीं, भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत ने पुलिस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि सार्वजनिक रैलियों में इस तरह के अश्लील मजाक स्वीकार्य नहीं हैं।

कावेरी जल विवाद रैली में दिया था विवादित बयान।

उदयनिधि स्टालिन कावेरी जल विवाद को लेकर हो रहे प्रदर्शन के दौरान भीड़ को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री विजय पर निशाना साधा और तमिलनाडु के लिए कावेरी के पानी के उचित प्रबंध को लेकर सरकार की जमकर आलोचना की। इसी दौरान भीड़ ने तृषा, तृषा के नारे लगाने शुरू कर दिए। कहा जा रहा है कि इसी दौरान स्टालिन ने भीड़ से पूछा कि वे तृषा के नारे क्यों लगा रहे हैं और इस दौरान द्विअर्थी बयान दिया और अभद्र इशारा किया।

न थोपें ...

तीन भाषा नीति का बंधन कक्षा नौवीं के लिए है, उसे हटा दिया जाए क्योंकि कक्षा नौवीं में आने वाले बच्चों पर बोर्ड का अतिरिक्त दबाव होता है। फिलहाल मुख्य न्यायाधीश ने आश्वासन दिया है कि कल इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है।

'Xagm...

वहीं, फाजिल दो साल का उच्च पाठ्यक्रम था जो कामिल के बाद किया जाता था। राज्य मदरसा परिषद से मिलने वाली फाजिल डिग्री को स्नातकोत्तर डिग्री के बराबर माना जाता था।

उत्तर प्रदेश सरकार ने यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय के 5 नवंबर 2024 के आदेश का पालन करने के लिए लिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने अंजुम कादरी बनाम भारत संघ मामले की सुनवाई के दौरान यह फैसला दिया था।

अंजुम कादरी बनाम भारत संघ का मामला उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम, 2004 की संवैधानिक वैधता से जुड़ा था। यह मामला तब सामने आया जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मार्च 2024 को पूरे अधिनियम को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। उच्च न्यायालय का कहना था कि यह कानून संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप और अनुच्छेद 14 व 21ए के विपरीत है। इसके खिलाफ अंजुम कादरी समेत अन्य याचिकाकर्ताओं ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने 5 नवंबर 2024 को एक बेहद अहम फैसले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इस फैसले को रद्द कर दिया। जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मदरसा अधिनियम को संविधान के खिलाफ बताया था। मदरसा अधिनियम वैध है। तब सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यह कानून मदरसों की शिक्षा, शिक्षकों की योग्यता, परीक्षा और प्रशासन को विनियमित करता है। अदालत ने कहा कि केवल इसलिए कि मदरसों में धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है, मदरसा अधिनियम असंवैधानिक नहीं हो जाता है।

अल्पसंख्यकों के अधिकार सुरक्षित हैं। अदालत ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 30 धार्मिक और भाषायी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित और संचालित करने का अधिकार देता है। राज्य इन संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण और आवश्यक धर्मनिरपेक्ष शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमन यानी कि विनियमन कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पूरे अधिनियम को रद्द कर दिया, जबकि यदि कुछ प्रावधान असंवैधानिक या नियमों के खिलाफ हों तो केवल उन्हीं प्रावधानों को अलग किया जा सकता है। पूरे कानून को खत्म करना उचित नहीं था। लेकिन इसी फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने मदरसों की ओर से जारी की जाने वाली कामिल और फाजिल डिग्रियों पर अहम टिप्पणी की थी।

उच्च शिक्षा की डिग्रियां केवल यूजीसी ही दे सकती है: सर्वोच्च न्यायालय

अपने फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि मदरसा परिषद द्वारा कामिल और फाजिल जैसी उच्च शिक्षा डिग्रियों का जारी किया जाना संविधान के अनुरूप नहीं है। अदालत ने कहा था कि उच्च शिक्षा के मानकों का विनियमन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम के तहत केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए मदरसा अधिनियम का यह हिस्सा असंवैधानिक है।

भारत का...

अपनी इसी सैन्य कमजोरियों को दूर करने के लिए रावलपिंडी ने चीन की कंपनी नोरिंको से ये 250 प्रणाली हासिल की हैं। ये कदम चीन और पाकिस्तान के बीच गहरे होते रक्षा संबंधों तथा संयुक्त सैन्य अभ्यासों को दिखाता है।

छह गुणा छह बख्तरबंद ट्रक ढांचे पर लगी 155 मिलीमीटर/52-कैलिबर की ये हॉवित्जर सड़क पर 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है जो 53 से 72 किलोमीटर तक रॉकेट-असिस्टेड गोले दाग सकती है। इसका स्वचालित अग्नि नियंत्रण और हाइड्रोलिक प्रणाली इसे काउंटर-बैटरी रडार से बचाते हुए तेजी से स्थान बदलने में मदद करता है।

पाकिस्तान की ये उच्च गतिशीलता तोप प्रणाली सीमा पर भारत के सैन्य ठिकानों और रसद मार्ग को अपनी रेंज में लेती है। भारत के पास ट्रैक्ड के-9 वज्र जैसे सुरक्षित प्रणाली हैं, लेकिन पाकिस्तान की पहिएदार गतिशीलता उसे बढ़त देती है। हालांकि, गंभीर आर्थिक दबाव के बीच इतनी बड़ी संख्या में इन प्रणालियों को बनाए रखना पाकिस्तान के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

भारतीय...

कि वे सभी एजेंसियों के साथ मिलकर उस इलाके में भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बचाए गए चालक दल को जरूरी मदद देने के लिए तुरंत कदम उठाएं।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत बिना किसी उकसावे के, बिना सुरक्षा वाले मशीनीकृत सेलिंग जहाज पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करता है। हमारे लोगों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और मुझे यह बताते हुए राहत मिल रही है कि यमनी तटरक्षक ने सभी 14 नाविकों (जिनमें 13 भारतीय शामिल हैं) को सुरक्षित बचा लिया है और उन्हें मोखा बंदरगाह पहुंचा दिया है।

विदेश मंत्रालय ने भी एक बयान में कहा कि रियाद स्थित दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चालक दल की सुरक्षा के लिए यमनी अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है।

भारत ने भारतीय जहाजों पर हमलों की घटनाओं को बेहद चिंताजनक बताया और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने को रोकने की मांग की।

भारत ने बयान में कहा कि इस क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजरानी पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं। क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजरानी को निशाना बनाना बंद होना चाहिए, और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से आजाद और बिना रुकावट के जलयान संचालन और व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

भारतीय नाविकों की सुरक्षा और भलाई भारत के लिए एक गंभीर मानवीय और कूटनीतिक संकट बन गई है। यह स्थिति दुनिया के संघर्ष वाले इलाकों में वाणिज्यिक व्यापारिक जहाजरानी को निशाना बनाकर किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में अचानक हुई बढ़ोतरी का नतीजा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 05 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज की आबिड्स सेंट्रल शाखा का गठन

भव्य उद्घाटन समारोह में नई कार्यकारिणी ने संभाला दायित्व, संगठन विस्तार का लिया संकल्प

केंद्रीय कोष में एक लाख रुपये का योगदान, श्रीशैलम तीर्थयात्रा के लिए अतिरिक्त सीटों की घोषणा

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'आबिड्स सेंट्रल शाखा' का गठन किया गया। इस अवसर पर आबिड्स स्थित राघव रत्ना टावर्स की 10वीं मंजिल पर भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य, विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह में श्री योगेश कुमार अग्रवाल ने चेयरमैन, श्री सुनील कुमार अग्रवाल (कनोड़िया) ने संस्थापक अध्यक्ष, श्री परवेश अग्रवाल ने उपाध्यक्ष, श्री जितेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने महासचिव, श्री नीरज कुमार अग्रवाल ने संयुक्त सचिव तथा श्री संजय मोदी ने कोषाध्यक्ष के रूप में अपने दायित्व ग्रहण किए।

केंद्रीय समिति एवं कार्यकारिणी का भी हुआ गठन

शाखा की केंद्रीय समिति में श्री अनिल कुमार अग्रवाल, श्री धीरज मित्तल एवं श्री दर्श अग्रवाल को सदस्य मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी में श्रीमती आशा अग्रवाल, श्री योगेश गर्ग, श्रीमती प्रज्ञा ज्योति गोयल, श्री मुकेश कुमार अग्रवाल, श्री पवन कुमार अग्रवाल तथा श्री मोहित अग्रवाल को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। वहीं श्री सुभाष चंद अग्रवाल को शाखा का सलाहकार नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद तथा संयुक्त सचिव श्री प्रतीक कुमार नरसरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। केंद्रीय पदाधिकारियों ने नवनियुक्त टीम का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए समाज सेवा, संगठन विस्तार तथा जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रोत्साहन स्वरूप केंद्रीय टीम ने नवगठित शाखा को आगामी श्रीशैलम तीर्थयात्रा के लिए अतिरिक्त सीटें प्रदान करने की घोषणा भी की।

केंद्रीय कोष में एक लाख रुपये का योगदान

समारोह के दौरान आबिड्स सेंट्रल शाखा की ओर से अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कोष में 1,00,000 (एक लाख रुपये) का योगदान प्रदान किया गया। इस सहयोग की उपस्थित सभी सदस्यों ने सराहना करते हुए इसे समाज सेवा के प्रति शाखा की सकारात्मक प्रतिबद्धता बताया।समारोह में विभिन्न शाखाओं के अनेक सदस्य एवं समाज के वरिष्ठजन भी उपस्थित रहे। सभी ने नवगठित आबिड्स सेंट्रल शाखा को संगठन की एक सशक्त, सक्रिय एवं जनसेवा के लिए समर्पित इकाई बताते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

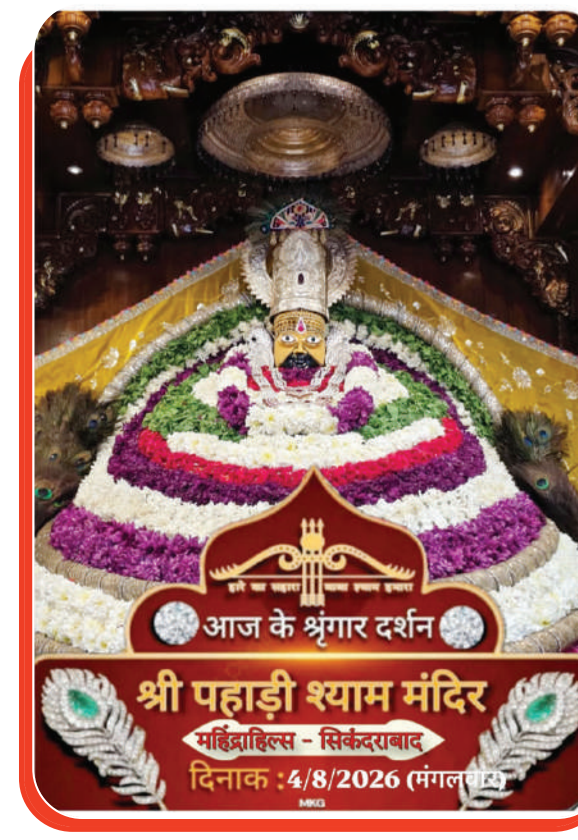

गौ सेवा और मानव सेवा ही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान, यही सच्ची ईश्वर भक्ति है : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने उपस्थित सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गौ सेवा और मानव सेवा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। जो व्यक्ति गौमाता की सेवा करता है और जरूरतमंद मानव की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता है, वही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना करता है। सेवा ही वह माध्यम है जो मनुष्य को मानवता, संस्कार और आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाती है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को सबसे अधिक आवश्यकता सेवा, सहयोग और आपसी सद्भाव की है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन का थोड़ा-सा समय और अपनी सामर्थ्य का एक छोटा-सा भाग समाज एवं गौमाता की सेवा के लिए समर्पित कर दे, तो कोई भी व्यक्ति भूखा, असहाय या उपेक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ केवल दान देना नहीं, बल्कि पीड़ित और जरूरतमंद लोगों के दुख को अपना दुख समझकर उनके जीवन में आशा और विश्वास का संचार करना है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र या वर्ग के भेदभाव के निरंतर मानव सेवा, गौ सेवा और सामाजिक उत्थान के कार्यों में समर्पित भाव से जुटा हुआ है। ग्रुप का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारा, करुणा, संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करना भी है। यही कारण है कि ग्रुप के सेवा कार्यों से निरंतर नए लोग जुड़ रहे हैं और सेवा का यह अभियान दिन-प्रतिदिन व्यापक होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का आधार हैं। गौ सेवा से केवल धार्मिक पुण्य ही प्राप्त नहीं होता, बल्कि समाज में करुणा, दया और संवेदनशीलता का भी विकास होता है। वहीं मानव सेवा व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाती है और समाज में विश्वास तथा आत्मीयता का वातावरण तैयार करती है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी में भी सेवा संस्कार विकसित करें, ताकि समाज अधिक सशक्त, संगठित और संस्कारित बन सके।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने, जरूरतमंदों तक नियमित सहयोग पहुंचाने तथा गौ सेवा के विभिन्न अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य निस्वार्थ सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है और यह सेवा अभियान भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निरंतर चलता रहेगा।

अंत में उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों में अपना सहयोग देने वाले सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत अभियान से जुड़ने का आग्रह किया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, रेनू शर्मा तथा महेश गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 16 से

वृंदावन की बाल विदुषी लक्ष्मी जी करेंगी कथा वाचन

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 16 अगस्त (रविवार) से 24 अगस्त (सोमवार) तक किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक एन.एम. गुड़ा चौराहा, अट्टापुर स्थित साई बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित होगी।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वृंदावन निवासी बाल विदुषी सुश्री लक्ष्मी जी अपनी अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को श्री शिव महापुराण कथा का रसपान कराएंगी।

उन्होंने बताया कि कथा के मुख्य यजमान अग्रवाल समाज तेलंगाना (डीआरएस) के पूर्व अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार अग्रवाल होंगे, जबकि सह-मुख्य यजमान के रूप में श्री अंजनी कुमार सरावगी दायित्व निभाएंगे।

दैनिक यजमानों में श्री मनीष अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना), श्री कृष्ण कुमार सौंन्थलिया, श्री मुकेश कुमार लोया, श्री बृजगोपाल असावा, श्री कमल किशोर कांकाणी, श्री जमनालाल मनोहरलाल कांकाणी तथा श्री अशोक कुमार हीरावत जैन शामिल हैं। समिति ने बताया कि दैनिक यजमान बनने के लिए समाज के अनेक श्रद्धालुओं ने भी रुचि दिखाई है।

16 अगस्त को निकलेगी कलश यात्रा

श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि 16 अगस्त (रविवार) को प्रातः 11 बजे विट्ठल मंदिर, शिवाजी नगर, अट्टापुर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो साई बाबा मंदिर स्थित कथा स्थल पहुंचेगी। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे से कथा का शुभारंभ होगा।

कथा के दौरान प्रतिदिन शिव महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

16 अगस्त (प्रथम दिवस) : शिवमहापुराण का माहात्म्य, नैमिषारण्य की कथा, शिवतत्त्व का वर्णन, सृष्टि की उत्पत्ति और ब्रह्मा-विष्णु विवाद एवं अनंत ज्योतिर्लिंग का प्राकट्य।

17 अगस्त (द्वितीय दिवस) : सती का जन्म, शिव-सती विवाह, दक्ष यज्ञ और सती का आत्मत्याग।

18 अगस्त (तृतीय दिवस) : पार्वती का जन्म, पार्वती की तपस्या, कामदेव दहन और शिव-पार्वती विवाह।

19 अगस्त (चतुर्थ दिवस) : भगवान कार्तिकेय का जन्म, तारकासुर वध, भगवान गणेश का जन्म और प्रथम पूज्य बनने की कथा।

20 अगस्त (पंचम दिवस) : त्रिपुरासुर वध, अंधकासुर वध, भस्मासुर की कथा और भगवान शिव के विभिन्न दिव्य स्वरूप।

21 अगस्त (षष्ठम दिवस) : बारह ज्योतिर्लिंगों का माहात्म्य, शिवभक्तों की कथाएं (उपमन्यु, मार्कण्डेय आदि), रुद्राक्ष एवं भस्म का महत्व।

22 अगस्त (सप्तम दिवस) : महाशिवरात्रि व्रत की महिमा, समुद्र मंथन एवं नीलकंठ की कथा,

शिव पूजा की विधि एवं फल और पंचाक्षर मंत्र का महत्व।

23 अगस्त (अष्टम दिवस) : भक्त रावण एवं भगवान शिव, बाणासुर की कथा, गंगा अवतरण

अन्य प्रेरणादायक शिवभक्तों की कथाएं।

24 अगस्त (नवम दिवस) : शिवमहापुराण की फलश्रुति, शिवभक्ति का महत्व, जीवनोपयोगी उपदेश एवं कथा विश्राम।

9 अगस्त को होगी तैयारी बैठक

कथा को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 9 अगस्त (रविवार) को प्रातः 11 बजे कथा स्थल साई बाबा मंदिर, अट्टापुर में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सभी व्यवस्थाओं की रूपरेखा तय की जाएगी तथा विभिन्न कार्यों के लिए संयोजकों की जिम्मेदारियां निर्धारित की जाएंगी।

समिति ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से आग्रह किया है कि वे बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव दें तथा परिवार और मित्रों सहित श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

इस अवसर पर राजस्थानी जागृति समिति की ओर से मुख्य यजमान श्री अंजनी कुमार अग्रवाल एवं सह-मुख्य यजमान श्री अंजनी कुमार सरावगी का शाल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। समारोह में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, संजय राठी, अशोक कुमार हीरावत तथा दामोदर सोमाणी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

हैदरगुडा स्थित होटल बीकानेरवाला में लक्ष्मीनारायण लाहोटी द्वारा आयोजित मित्रता दिवस समारोह में कार्यक्रम का संचालन करते हुए पं. रामकृष्ण पाण्डेय। चित्र में समारोह के अध्यक्ष धनराज सोनी, मुख्य अतिथि रमेश कुमार बंग, विशिष्ट अतिथि धर्मेन्द्र कुमार गोयल तथा अन्य उपस्थित मित्रगण।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज ने श्रावण महोत्सव में भव्य रुद्राभिषेक का किया आयोजन

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज, भाग्यनगर द्वारा श्रावण महोत्सव के अंतर्गत श्रावण मास के प्रथम सोमवार (03 अगस्त 2026) को भगवान शिव के पावन अभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की तैयारियां सायं 7 बजे से प्रारंभ हुई तथा रात्रि 8:11 बजे से वेदाचार्य श्री वासुदेव तिवारी के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत रुद्राभिषेक संपन्न हुआ।रुद्राभिषेक में समाजबंधुओं ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ बारी-बारी से भगवान शिव का अभिषेक किया। इस दौरान समाज के प्रमुख भजन गायकों ने शिवलहरी भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से संपूर्ण वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

अभिषेक के उपरांत भगवान श्री विजय शंकर जी महाराज का पुष्पों से मनोहारी एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया। रात्रि 1:11 बजे महाआरती सम्पन्न हुई, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं ने फराली प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में पधारे सभी समाजबंधुओं एवं स्वजातीय भाइयों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी तीनों श्रावण सोमवारों तथा महाप्रसादी में भी इसी प्रकार सहयोग एवं उपस्थिति दर्ज कर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया। इस अवसर पर रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, दामोदर ओझा, रामकुमार तिवारी, अनिल जायलवाल, गिरीराज नागला, श्रीराम व्यास, सुरेन्द्र तिवारी, विष्णु मुलताई, श्याम सुन्दर तिवारी, गणपत मामा, पापा भाई उपाध्याय, आनंद तिवारी, बांके बिहारी ओझा, आदर्श जायलवाल, अज्जू वैष्णव, रामनिवास ओझा सहित उनके परिवारजन एवं समाज के अनेक स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

सनतनगर क्षेत्र में एसआईआर के प्रपत्रों की जांच करते हुए भाजपा नेता शाशीधर रेड्डी। इस अवसर पर उनका स्वागत करती हुई भाजपा नेता सपना गुप्ता। चित्र में डिवीजन अध्यक्ष नरेश, भाजपा नेता दयानंद, महेश, मुरली, रामप्रसाद, मामाजी, लक्ष्मी, चिन्नामा, श्री भगवान एवं अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित हैं।

सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर बाबूलाल प्रकाशनरायण के निवास पर आयोजित रुद्राभिषेक में पूजा-अर्चना करते हुए श्रावण महाराज, राजेश महाराज, प्रदीप अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल एवं हस्वी अग्रवाल।

सैदाबाद में दिनदहाड़े हत्या से सनसनी

सिंगरेनी कॉलोनी में युवक पर नारियल काटने वाले धारदारर हथियार से हमला, अस्पताल में मौत; आरोपी फरार

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सैदाबाद थाना क्षेत्र स्थित सिंगरेनी कॉलोनी में मंगलवार को दिनदहाड़े हुई एक निर्मम हत्या ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। लोगों की मौजूदगी में 35 वर्षीय हामीर पर एक स्थानीय युवक ने नारियल काटने वाले धारदार चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर ने हामीर पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही सैदाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर फोरेंसिक टीम की सहायता से साक्ष्य एकत्र किए तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक हामीर के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक उसके आपराधिक रिकॉर्ड की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसी प्रकार स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि मृतक और आरोपी दोनों कथित रूप से गांजा सेवन करने वाले युवकों के एक समूह से जुड़े थे, लेकिन इस दावे की भी पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि ऐसे सभी दावों की जांच की जा रही है।

हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है और संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश, आपसी विवाद या अन्य किसी कारण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

सैदाबाद थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार सैदाबाद पुलिस ने परिवार की शिकायत पर प्रारम्भिक जांच में आरोपी सुमन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्य तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस सनसनीखेज वारदात के बाद सिंगरेनी कॉलोनी और आसपास के इलाके में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

सवाल सिर्फ हत्यारे पर नहीं, तमाशबीन समाज पर भी...

हैदराबाद के सैदाबाद में दिनदहाड़े हुई इस निर्मम हत्या ने सिर्फ कानून-व्यवस्था पर ही नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यदि यह वारदात सचमुच लोगों की मौजूदगी में हुई, तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी ने पीड़ित की जान बचाने की कोशिश की? क्या किसी ने हमलावर को रोकने का प्रयास किया? क्या किसी ने तुरंत पुलिस या एम्बुलेंस को सूचना दी ? या फिर लोग केवल अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने में व्यस्त रहे ?

आज के दौर में अक्सर देखा जाता है कि दुर्घटना हो या अपराध, कई लोग मदद के बजाय वीडियो रिकॉर्ड करने लगते हैं। एक घायल इंसान की जान बचाने से ज्यादा प्राथमिकता सोशल मीडिया पर वीडियो डालने को मिलने लगी है। यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है।

यह भी सच है कि हथियारबंद हमलावर के सामने हर व्यक्ति का हस्तक्षेप करना सुरक्षित नहीं होता। लेकिन पुलिस को तुरंत सूचना देकर घटना को रोकी जा सकती थी ?

एक सभ्य समाज की पहचान केवल कानून से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की संवेदनशीलता से भी होती है। यदि हम किसी की मौत को सिर्फ कैमरे में कैद करते रह जाएं और मदद का हाथ न बढ़ाएं, तो यह समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है।

सवाल सिर्फ यह नहीं है कि हत्यारा कौन था। सवाल यह भी है कि घटना के समय इंसानियत कहां थी ?

चंदानगर में दर्दनाक हादसा: लिफ्ट की खराबी ने ली महिला की जान

रखरखाव कंपनी और अपार्टमेंट समिति की लापरवाही पर थाने में एफ-आई-आर हूई दर्ज

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के चंदानगर थाना क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट में सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। लिफ्ट की चपेट में आने से 43 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के समय महिला अपने पति के साथ बीमार रिश्तेदार का हालचाल जानने पहुंची थी। पुलिस ने मृतका के पति की शिकायत पर लिफ्ट रखरखाव कंपनी और अपार्टमेंट समिति के पदाधिकारियों के विरुद्ध लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से विकाराबाद जिले के कुलकचर्ला गांव निवासी धाड़ी श्रीनिवास (46) अपनी पत्नी अनसूया (43) के साथ मंगलवार सुबह लगभग 11 बजे अन्नपूर्णा एन्क्लेव स्थित चाटवाज मेंशन अपार्टमेंट पहुंचे थे। वे वहां अपने घायल रिश्तेदार धाड़ी गोविंद से मिलने आए थे। भूतल पर श्रीनिवास ने लिफ्ट का बटन दबाया। दरवाजा खुलते ही वह पहले लिफ्ट में प्रवेश कर गए। उनके पीछे जैसे ही अनसूया ने लिफ्ट में एक पैर रखा, दरवाजा पूरी तरह बंद हुए बिना ही लिफ्ट अचानक ऊपर की ओर चल पड़ी।

इस दौरान अनसूया लिफ्ट और प्रवेश द्वार के बीच फंस गईं। दबाव के कारण उनकी कमर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं तथा वह बेहोश हो गईं।

श्रीनिवास के शोर मचाने पर आसपास के निवासी मौके पर पहुंचे और उन्हें बाहर निकालकर तत्काल चंदानगर के अर्चना अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजन उन्हें निजामपेट स्थित होलिस्टिक अस्पताल भी ले गए।घटना के बाद सामने आई जानकारी के अनुसार, हादसे के समय लिफ्ट की मरम्मत का कार्य चल रहा था। पीड़ित पति ने आरोप लगाया है कि लिफ्ट तकनीशियन अनिल कुमार ने मरम्मत कार्य के दौरान न तो मुख्य विद्युत आपूर्ति बंद की थी और न ही लोगों को सतर्क करने के लिए कोई सावधानी सूचना पट्ट अथवा चेतावनी पट्ट लगाया था।

मृतका के पति धाड़ी श्रीनिवास की शिकायत पर चंदनगर पुलिस ने लिफ्ट तकनीशियन अनिल कुमार, लिफ्ट रखरखाव कंपनी जॉनसन एलिवेटर्स के प्रबंधन तथा अपार्टमेंट समिति के सदस्य राम रेड्डी, योगेंदर और वेंकट रेड्डी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के प्रत्येक पहलू की गहन जांच कर रही है !

नागोल में महिला के गले से सोने की मंगलसूत्र चेन झपटकर बदमाश फरार

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नागोल पुलिस थाना क्षेत्र के आरके नगर में स्नैचिंग की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। चर्च से प्रार्थना समाप्त कर अपने घर लौट रही एक 56 वर्षीय महिला को निशाना बनाते हुए बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े उनके गले से सोने की मंगलसूत्र चेन झपट ली और मौके से फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जीवीआर कॉलोनी की निवासी साग्गम धनम्मा (56) आरके नगर स्थित चर्च में प्रार्थना के बाद अपने घर वापस जा रही थीं। इसी दौरान एचपी गैस गोदाम के पास पल्सर बाइक पर सवार होकर आए तीन नकाबपोश बदमाशों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। बदमाशों ने महिला के गले से करीब ढाई तोले (लगभग 25 ग्राम) वजन की सोने की मंगलसूत्र चेन झपट ली और तेजी से तट्टी अन्नाराम की ओर भाग निकले।घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने नागोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात की सूचना मिलते ही वनस्थलीपुरम के एसीपी काशीरेड्डी ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल का मुआयना किया।पुलिस ने फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है और फुटेज के आधार पर बदमाशों के भागने के रास्ते और उनकी पहचान का पता लगाया जा रहा है।

तेलंगाना में मत्स्य पालन का होगा विस्तार करेगा, मछुआरों के लिए बीमा और खुदरा बिक्री केंद्र खोलने की योजना : वाकिटी श्रीहरि

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य पालन मंत्री वकिटी श्रीहरि ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार मत्स्य पालन का विस्तार, सहकारी समितियों को सशक्त बनाने और बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से मछुआरों के कल्याण तथा मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रियों के आवास परिसर में जिला मत्स्य सहकारी समितियों के अध्यक्षों और प्रोत्साहकों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री श्रीहरि ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी 26,000 तालाबों और 100 जलाशयों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है तथा मछुआरों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि मछुआरों को बीमा कवरेज, मोपेड और खुदरा दुकानें (रिटेल आउटलेट) प्रदान करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की जा रही है। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि जिला मत्स्य सहकारी समिति के अध्यक्षों की समस्याओं के समाधान के लिए हर तीन महीने में एक बार समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी।

श्री श्रीहरि ने कहा कि सरकार मुफ्त मत्स्य बीज वितरण कार्यक्रम जारी रखेगी और मछुआरों के बकाया भुगतान को चुकता करने के लिए विशेष प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्रों के पोषण स्तर में सुधार के लिए सरकार मध्याह्न भोजन योजना में मछली को शामिल करने पर भी विचार कर रही है।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि मत्स्य सहकारी समितियों में सदस्यता विवादों का समाधान जिला और गांव के स्तर पर किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद के कोहेडा में निर्माणाधीन एकीकृत मछली बाजार के पूरा होने पर मछली की ऑनलाइन बिक्री और वितरण संभव हो सकेगा।

मछुआरा समुदाय के लिए सरकार के समर्थन पर श्री श्रीहरि ने कहा कि मछुआरों के लिए 1.34 करोड़ रुपये के बीमा दावों का निपटारा पहले ही किया जा चुका है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मत्स्य सहकारी समितियों के उठाये गये प्रोटोकॉल से संबंधित मुद्दों को उचित समाधान के लिए सरकार के सामने उठाया जायेगा।

सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि मछुआरों का कल्याण और आर्थिक सशक्तीकरण राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एच-फास्ट की कार्रवाई में 25 टन मिलावटी मसाले ज़ब्त, तीन गिरफ़्तार

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी दल (एच-फास्ट) ने बृहत हैदराबाद नगर निगम खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर मसाला व्यापार और प्रक्रियाएं इकाईयों पर कार्रवाई कर 25 टन से ज़्यादा मिलावटी मसाले ज़ब्त कर तीन लोगों को गिरफ़्तार किया है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने मंगलवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि लोगों की

शिकायतों के बाद 13 मसाला व्यापार और प्रक्रिया इकाईयों की जांच की गयी। मैलारदेवपल्ली और बालापुर पुलिस थानों में तीन आपराधिक मामले दर्ज किये गये। आरोपियों की पहचान राहुल भाटी, विशाल पंवार और दुलीचंद कच्छावर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को जीरा, अजवाइन, सरसों, लौंग और शाहजीरा जैसे मसालों में मिलावट मिली। इनका रंग और वज़न बढ़ाने के लिए इंडस्ट्रियल डाई, सिंथेटिक रंग, टैल्कम पाउडर, राइस ब्रान ऑयल और दूसरे खतरनाक रसायन मिलाये गये थे। नमूने प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गये हैं और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। श्री सज्जनार ने चेतावनी दी कि ऐसे मिलावटी खाने से लिवर एवं किडनी खराब हो सकते हैं तथा कैंसर, पेट की बीमारियां, एलर्जी और लंबे समय तक रहने वाली स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने एच-फास्ट के काम का ज़िक्र करते हुए कहा कि टीम के बनने के 140 दिनों के अंदर ही उसने 659 छापे मारे, 202 प्राथमिकी दर्ज कीं और 246 टन मिलावटी खाना ज़ब्त किया। उन्होंने बताया कि शहर में खाने में मिलावट के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत इन छापों में मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट, सड़ा हुआ मांस, केमिकल से पकाए गए फल, सिंथेटिक पनीर, मिलावटी अचार, चाय पाउडर और खराब क्वालिटी का आरओ पानी भी ज़ब्त किया गया।

ब्रिक्स भ्रष्टाचार-विरोधी कार्य समूह का दूसरा सम्मेलन हैदराबाद में शुरू, सहयोग पर जोर

हैदराबाद, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीमा पार भ्रष्टाचार से निपटने, भगोड़े अपराधियों का पता लगाने और अवैध संपत्तियों को वापस लाने में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों का दो दिवसीय दूसरा ब्रिक्स भ्रष्टाचार-विरोधी कार्य समूह (एसीडब्ल्यूजी) सम्मेलन मंगलवार को यहां शुरू हुआ।

सम्मेलन में ब्रिक्स एसेट रिकवरी एक्सपर्ट नेटवर्क की दूसरी बैठक भी शामिल है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह ने बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार सतत और समावेशी विकास में बड़ी बाधा बना हुआ है, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे आवश्यक क्षेत्रों से सार्वजनिक संसाधनों को हटाकर दूसरी ओर मोड़ देता है और जनता के भरोसे को कमजोर करता है।सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी देश भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक एवं निरंतर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। ब्रिक्स देशों के बीच मजबूत सहयोग का आह्वान करते हुए उन्होंने सदस्यों से भगोड़े आर्थिक अपराधियों का पता लगाने, प्रत्यर्पण का समर्थन करने, चुरायी गयी संपत्तियों को वापस लाने और उन देशों या क्षेत्रों को अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बनने से रोकने के अपने प्रयासों को बढ़ाने का आग्रह किया।

मल्काजगिरी पुलिस स्टेशन में सीआई विजय के नए पदभार ग्रहण करने पर उन्हें शॉल, पुष्पमाला एवं पौधा भेंट कर शुभकामनाएँ देते हुए भाग्यनगर तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मदनलाल रावल, जैन समाज मल्काजगिरी के अध्यक्ष सोहनलाल लुनिया, महासचिव हेमंत राज तातेड, अशोक लुनिया, हापूराम गहलोत, भेराराम लखावत, हुकमाराम सानपुरा, वासुदेव अग्रवाल, मोहनलाल सीरवी, मोतीलाल काग, अजीत जैन, कालूसिंह राजपुरोहित एवं अन्य गणमान्यजन।

मदनूर में भक्ति भाव से मनाया बोनालु त्योहार

मदनूर, 04 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार को मदनूर मंडल में मुनूर कापु, पद्मशाली, शिम्पी सहित विविध समाज के भक्तों ने गाजा-बाजा और पोतराज नृत्य के साथ बोनालु लेकर ग्राम देवता की पूजा-अर्चना की।महिलाएं पके चावल, दूध, गुड़ और नीम की पत्तियों से सजे बर्तन में जलता दीपक लेकर भक्ति भाव से निकलीं। श्रद्धालुओं ने आरती उतारी, भोग लगाया तथा अच्छी वर्षा व उत्तम फसल की कामना की। सभी ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास 2026 का आयोजन हो रहा है। जिन शासन दीपिका मधुर व्याख्याणी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. राजुल, मुस्कान प्रिय स्पष्ट वक्ता श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता श्री जिव्याश्रीजी म.सा. सहित ठाणा-3 के सानिध्य में यह कार्यक्रम चल रहा है।त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविकाएं पूज्य राजमतीजी म.सा. की मधुर जिनवाणी, पूज्य विनयश्रीजी म.सा. के सरल एवं प्रेरणादायी प्रवचन तथा पूज्य जिव्याश्रीजी म.सा. के मधुर कंठ से गीत व प्रवचनों का लाभ ले रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.